



TEACHER RESOURCE MATERIAL

Class 7th

Hindi (2nd Language)

अभ्यास शीट 1



प्रश्न । (i) निम्नलिखित बहु-वैकल्पिक प्रश्नों में से सही विकल्प को चुनिए:

- 1) निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा शब्द 'पानी' का पर्यायवाची नहीं है।
 क) जल ख) नीर ग) घोड़ा घ) अंबु
- 2) निम्नलिखित शब्दों में 'आदमी' शब्द का पर्यायवाची शब्द चुनें।
 क) मानव ख) तलवार ग) तात घ) जनक
- 3) निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द का चुनाव करें।
 क) मालूम ख) मालूम ग) मलमू घ) मलुम
- 4) निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द का चुनाव करें।
 क) पत्थर ख) पत्थर ग) पथर घ) पधर
- 5) निम्नलिखित शब्दों में सर्वनाम शब्द चुनें:
 क) मैं ख) पैशन ग) शहर घ) गया
- 6) निम्नलिखित शब्दों में से क्रिया शब्द चुनें।
 क) मिलना ख) मिलावट ग) मेल घ) मालिश
- 7) निम्नलिखित शब्दों में से क्रियाविशेषण शब्द चुनें।
 क) कलिंग ख) के फाटक ग) आज घ) बंद हैं।
- 8) 'बाबा ने घोड़े को रोक लिया।' वाक्य में किस कारक का प्रयोग हुआ है।
 क) कर्ता कारक ख) अधिकरण कारक ग) करण कारक घ) अपादान कारक
- 9) गीत गाने वाले बच्चे कहाँ से आए हैं?
 क) इंग्लैंड ख) जापान ग) पंजाब घ) भारत के कोने कोने से
- 10) हम अपनी मंजिल कैसे पा सकते हैं?
 क) हिम्मत से ख) विश्वास से ग) मेहनत से घ) ये सभी
- 11) हमें किस प्रकार के वचन बोलने चाहिए?
 क) कड़वे ख) मीठे ग) खट्टे घ) नमकीन
- 12) गुरु जी ने घायलों का उपचार करने के लिए भाई कन्हैया को क्या दिया?
 क) दूध ख) पानी ग) मरहम घ) तलवार
- 13) 'सागर' शब्द का अर्थ चुनें:
 क) मोती ख) समुद्र ग) धरती घ) पर्वत
- 14) 'रक्तदान' शब्द का क्या अर्थ है।
 क) खून दान ख) तलवार ग) दवाई घ) कोई नहीं
- 15) अद्यापक शब्द का अर्थ क्या है?
 क) छात्र ख) शिक्षक ग) चेला घ) स्वामी

(ii) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

कंधे पर इक मशक उठाए,

देता पानी का उपहार ।

संगत की सेवा करता,

भाई कन्हैया उसका नाम।

गुरुवाणी का भक्त अनोखा,

करता जन सेवा का काम।

- 1) संगत की सेवा कौन करता था?
- 2) भाई कन्हैया धायलों की सेवा किस प्रकार करता था?
- 3) भाई कन्हैया जी किसके भक्त थे?
- 4) उपहार शब्द का क्या अर्थ है?
- 5) यह पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं।

(iii) निर्देश अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

- 1) 'दास' शब्द का लिंग 'दासी' होगा। (सही / गलत)
- 2) 'असली' शब्द का विपरीत 'नकली' होगा। (सही / गलत)
- 3) जहाँ पर घोड़े रखे जाते हैं, उसे अस्तबल कहते हैं। (सही / गलत)
- 4)पता चल जायेगा। रिक्त स्थान में उपयुक्त माध्यम पुरुष का प्रयोग कीजिए: (तुम्हें/ मैं)
- 5) 'धीरा जूते पॉलिश करता था' वाक्य कर्तृवाच्य क्रिया का प्रयोग हुआ है। (सही/ गलत)
- 6) मार्ग शब्द में आधे 'र' (रेफ) का प्रयोग हुआ है। (सही / गलत)

प्रश्न II) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें।

- 1) सुमति किस बात पर विश्वास करता था?
- 2) रक्त समूह कितने प्रकार के होते हैं?
- 3) बाबा भारती के घोड़े का क्या नाम था?
- 4) हमारे देश के झंडे को क्या कहते हैं?
- 5) अंग्रेजों की क्या नीति थी?

प्रश्न III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें।

- 1) बाबा भारती को घोड़ा क्यों प्रिय था?
- 2) अशोक ने बौद्ध धर्म क्यों अपनाया?
- 3) धीरा ने चोर को कैसे पकड़वाया?

प्रश्न IV (i) निम्न पंजाबी शब्दों का हिंदी अनुवाद करें:

ਕਿਸਾਨ, ਪੈਸਾ, ਇਨਾਮ, ਪੱਤਰ, ਭਗਵਾਨ, ਚੇਤਨਾ, ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼, ਸੜਕ,

प्रश्न IV (ii) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बता कर वाक्यों में प्रयोग करो।

मौत के

घाट उत्तरना, प्राणों की खैर मानना, आनाकानी करना, मन मोह लेना,
तन कर बैठना

प्रश्न V निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

विज्ञान हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है। यह न केवल हमें नई तकनीकों से अवगत कराता है, बल्कि हमारे जीवन को सरल और सुविधाजनक भी बनाता है। आजकल, कंप्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से ज्ञान की एक नई दुनिया हमारे सामने है। विद्यार्थी विज्ञान के माध्यम से समस्याओं का समाधान करते हैं और नए आविष्कारों में योगदान देते हैं। इसलिए, हर छात्र को विज्ञान का अध्ययन करना चाहिए।

- 1) विज्ञान का हमारे जीवन का क्या महत्व है?
- 2) विज्ञान विद्यार्थियों को किस प्रकार की मदद करता है?
- 3) आजकल किन माध्यमों के द्वारा ज्ञान प्राप्त किया जाता है?
- 4) 'आविष्कार' शब्द का अर्थ क्या है?
- 5) इस गद्यांश का शीर्षक क्या हो सकता है?

प्रश्न VI कोई एक पत्र लिखें:

खिड़की का शीशा टूट जाने पर स्कूल के प्रधानाचार्य/ मुख्याध्यापक को क्षमा याचना के लिए प्रार्थना पत्र लिखें।

अर्थवा

मित्र को प्रथम आने पर बधाई पत्र लिखें

प्रश्न VII नीचे दिए गए किसी एक विषय पर निबंध अर्थवा कहानी लिखिए।

मेरा प्रिय मित्र,

दर्जी और हाथी

प्रश्न । (i) निम्नलिखित बहु-वैकल्पिक प्रश्नों में से सही विकल्प को चुनिएः

- 1) निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा शब्द 'धरा' का पर्यायवाची नहीं है।
 क) धरती ख) पृथ्वी ग) भूमि घ) नभ
 2) निम्नलिखित शब्दों में 'चरण' शब्द का पर्यायवाची शब्द चुनें।
 क) पैर ख) चार ग) चम्मच घ) चोर
 3) निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द का चुनाव करें।
 क) भरम ख) भम ग) भर्म घ) भमर
 4) निम्नलिखित में शुद्ध शब्द का चुनाव करें।
 क) आननद ख) आनंद ग) आनानाद घ) आन्द
 5) निम्नलिखित वाक्य में से सर्वनाम शब्द चुनें। यह रानी का महल है?
 क) यह ख) रानी ग) का घ) महल
 6) निम्नलिखित वाक्य में से क्रिया शब्द चुनें।
 राजा जंगल की ओर निकल पड़ा।
 क) राजा ख) जंगल ग) की ओर घ) निकल पड़ा
 7) निम्नलिखित वाक्य में से विशेषण शब्द चुनें।
 वह घोड़ा सुंदर तथा बड़ा बलवान था।
 क) घोड़ा ख) वह ग) तथा घ) सुंदर, बड़ा बलवान
 8) 'उसके हृदय में हलचल होने लगी। लिया।' वाक्य में किस कारक का प्रयोग हुआ है।
 क) कर्ता कारक ख) अधिकरण कारक ग) करण कारक घ) अपादान कारक
 9) 'भारत के कोने-कोने से' कविता में बच्चे क्या संदेश लेकर आये हैं?
 क) नई उमंगों -आशाओं का ख) सागर की गहराई का
 ग) गिरि की ऊँचाई का घ) प्रातः किरण की अरुणाई का
 10) फूल की क्या विशेषता होती है ?
 तितलियों को गोद में लेता है ख) भौंर को अनूठा रस पिलाता है
 ग) सुगंध देता है घ) ये सभी
 11) गर्मी के कारण प्रकृति कैसी दिखाई देती है ?
 क) खट्टी ख) नमकीन ग) हरी-भरी घ) मीठी
 12) कवि किन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है ?
 क) बालकों को ख) युवाओं को
 ग) स्वतंत्रा सेनानियों को घ) सभी को
 13) 'रात्रि' शब्द का अर्थ चुनें:
 क) दिन ख) सूर्य ग) रात घ) अंधेरा
 14) 'संध्या' शब्द का क्या अर्थ है?
 क) शाम ख) सवेरा ग) दोपहर घ) रात
 15) 'माथा' शब्द का अर्थ क्या है?
 क) मस्तक ख) चेहरा ग) शरीर घ) मुँह

(ii) निम्नलिखित पद्दत्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

हम पश्चिम से आए, लाए

आग-राग राजस्थानी

हम लाए हैं गंगा-जमुना

संगम का निर्मल पानी।

भारत के कोने-कोने से हम सब बच्चे आए हैं।

नई उमंगों-आशाओं का हम संदेशा लाए हैं ॥

- 1) बच्चे पश्चिम से क्या लेकर आये हैं ?
- 2) पद्यांश मे किन दो नदियों की बात की गयी है?
- 3) बच्चे कहाँ से आये हैं ?
- 4) 'निर्मल' शब्द का क्या अर्थ है?
- 5) ये पंक्तियाँ किस कविता से ली हैं ?

(iii) निर्देश अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें

- 1) 'बच्चा 'शब्द का बहुवचन 'बच्ची' होगा । (सही / गलत)
- 2) 'वीर' शब्द का लिंग बदलो 'वीरता' होगा। (सही / गलत)
- 3) 'विश्वास' शब्द का विपरीत 'अविश्वास' होगा। (सही / गलत)
- 4) 'मैं एक अच्छा बालक हूँ' इस वाक्य में 'मैं' अन्य पुरुष है। (सही या गलत)
- 5) 'कीर्ति' शब्द में आधे 'र' रेफ का प्रयोग हुआ है। (सही या गलत)
- 6) खड़ग सिंह उस इलाके का प्रसिद्ध डाकू था। (वर्तमानकाल/भूतकाल)

प्रश्न II निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें।

- 1) राजा शूरसेन शिकार खेलने कहाँ गया ?
- 2) रक्त समूह कितने प्रकार के होते हैं ?
- 3) बाबा भारती के घोड़े का क्या नाम था ?
- 4) राष्ट्रीय गीत कौन-सा है?
- 5) राष्ट्रीय चिह्न कौन-सा है ?

प्रश्न III निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें।

- 1) स्वैच्छिक रक्तदान से आप क्या समझते हैं ?
- 2) खड़ग सिंह ने घोड़े को प्राप्त करने के लिए क्या चल चली ?
- 3) राष्ट्रीय चिह्न का प्रयोग कहाँ-कहाँ पर होता है ?

प्रश्न IV (i) निम्न पंजाबी शब्दों का हिंदी अनुवाद करें:

अੱਗ, ਖੂਨਦਾਨ, ਖੰਡ, ਇੱਛਾ, ਢੁੱਲ, ਮੰਹ, ਯਾਦ, ਝੂਠ

प्रश्न IV (ii) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बता कर वाक्यों में प्रयोग करो।

मौत के घाट उतारना, हाथ धो बैठना, दिल टूटना, तन कर बैठना, छक्के छुड़ाना, बाल भी बाँका न होने देना, पीठ थपथपाना, सिर ऊँचा करना

प्रश्न V निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

बारिश का मौसम बहुत खास होता है। इस समय चारों ओर हरियाली छा जाती है और पेड़-पौधे हरे-भरे हो जाते हैं। बच्चे बरसात में तट पर कीचड़ में खेलना पसंद करते हैं। बारिश की बूँदें जमीन पर गिरते ही एक सुखद आवाज़ पैदा करती हैं। यह मौसम फसल के लिए भी बहुत अच्छा होता है।

- 1) बारिश के मौसम में चारों ओर क्या छा जाता है?
- 2) बच्चे बरसात में क्या पसंद करते हैं?
- 3) बारिश की बूँदें गिरने पर कैसी आवाज़ पैदा होती हैं?
- 4) 'हरियाली' शब्द का अर्थ क्या है?
- 5) इस गद्यांश का शीर्षक क्या हो सकता है?

प्रश्न VI कोई एक पत्र लिखें:

मित्र के प्रथम आने पर उसे बधाई देते हुए पत्र लिखें।

अथवा

गर्मियों की छुट्टियों में अपने घनिष्ठ मित्र को छुट्टियाँ एक साथ मनाने के लिए निमंत्रण पत्र लिखें।

प्रश्न VII नीचे दिए गए किसी एक विषय पर निबंध अथवा कहानी लिखिए।

वैशाखी का मेला

खरगोश और कछुआ

प्रश्न । (i) निम्नलिखित बहु-वैकल्पिक प्रश्नों में से सही विकल्प को चुनिएः

- 1) निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'पर्वत' का पर्याय नहीं है ?
 (क) गिरि (ख) पहाड़ (ग) शैल (घ) धरती

2) निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द शुद्ध है ?
 (क) प्ररमात्मा (ख) प्रमात्मा (ग) परमात्मा (घ) परमात्मा

3) निम्नलिखित में से 'चमक' शब्द का विशेषण चुनें-
 (क) चमकी (ख) चमके (ग) चमकीला (घ) चमके।

4) (4)निम्नलिखित में से धरती शब्द का विपरीत चुनें -
 (क) आकाश (ख) पाताल (ग) धरा (घ) फरा।

5) निम्नलिखित में से 'अधियापिका' शब्द का शुद्ध रूप चुनें-
 (क) अधापिका (ख) अध्यापिका (ग) अध्यका (घ) आधापिका।

6) निम्नलिखित में से कौन-सा क्रिया शब्द नहीं है-
 (क) बैठना (ख) चलना (ग) सूचना (घ) देना।

7) 'वह उधर बैठी है। वाक्य में क्रिया विशेषण शब्द चुनकर लिखें -
 (क) वह (ख) उधर (ग) बैठी (घ) है।

8) निम्नलिखित में से 'चिड़िया' शब्द का बहुवचन रूप चुनें-
 (क) चिड़ा (ख) चिड़े (ग) चिड़ियाँ (घ) चिड़चिड़ा।

9) समाट अशोक ने किस धर्म में दीक्षा ली ?
 (क) बौद्ध (ख) वैदिक (ग) जैन (घ) सिख।

10) तिनका-तिनका जोड़ने से क्या बन जाता है ?
 (क) घर (ख) घोसला (ग) हौसला (घ) फांसला।

11) मक्लोडगंज में किसकी विशाल प्रतिमा है ?
 (क) हनुमान की (ख) महात्मा बुद्ध की (ग) महात्मा गांधी की (घ) नेहरू की।

12) भाई कन्हैया जी किनकी सेवा करते थे ?
 (क) वीरों की (ख) घायलों की (ग) पशुओं की (घ) पक्षियों की।

13) निम्नलिखित में से 'स्वर्गवास' का अर्थ बताएं।
 (क) देहांत (ख) बीमार (ग) रोगी (घ) स्वस्थ

14) निम्नलिखित में से 'पताका' का अर्थ बताएं।
 (क) झंडा (ख) कपड़ा (ग) वस्त्र (घ) प्रतीक

15) निम्नलिखित में से 'नीड़' का अर्थ बताएं।
 (क) घोसला (ख) कानन (ग) जंगल (घ) स्कूल।

(ii) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

जल की छोटी-छोटी बैंदें,

टपक टपक घट भर देतीं

छेद एक यदि उसमे कर दें,

बूँदें घट खाली कर देतीं।

- 1) यह पद्यांश किस कविता में से लिया गया है ?
 - 2) रिक्त स्थान की पूर्ति करें: जल की छोटी-छोटी दर्तीं।
 - 3) यदि पानी के घड़े में एक छेद कर दें तो क्या होगा ?
 - 4) 'घट' शब्द का क्या अर्थ है?
 - 5) उपर्युक्त पद्यांश का मल भाव क्या है?

(iii) निर्देश अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:-

- 3) 1) 'मामा' शब्द का स्त्रीलिंग 'मामी' होगा। (सही/गलत)
2) 'जड़' शब्द का भाववाचक संज्ञा शब्द 'जडता' होगा। (सही/गलत)

3) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का सही मिलान करें -

परमात्मा को मानने वाला

आस्तिक

नास्तिक

कार्तिक

4) उचित योजक लगाएं- जो करेगा भरेगा।-

(तो/सो)

5)! मेरी प्रजा पर अत्याचार में उचित विस्मयादिबोधक शब्द भरें - (अहो भाग्य/आह)

6) 'कार्य' शब्द में 'र' पूरा प्रयोग हुआ है। (हाँ/नहीं)

प्रश्न II निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें।

1) धीरा ने राहगीर से क्या सुना?

2) अशोक अपने शिविर में परेशान क्यों हैं?

3) धर्मशाला किस पर्वतमाला की गोद में बसा है?

4) भाई कन्हैया कौन था?

5) हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए ?

प्रश्न III निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें।

1) अनु ने कला को कैसे बचाया?

2) वाहन चलाते समय सेफटी बेल्ट लगाना क्यों अनिवार्य है ?

3) मक्लोडगंज का ऐतिहासिक महत्व क्या है ?

प्रश्न IV (i) निम्न पंजाबी शब्दों / वाक्यों का हिंदी अनुवाद करें:

ਬरद, जाली, बिला, पंजा,

बुझ दिनां पहिलां दी गँल है।

पिता जी दा उਬादला जबलपुर हो गिआ मी।

प्रश्न IV (ii) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बता कर वाक्यों में प्रयोग करो।

मुँह के बल गिरना, सिर से पैर तक दौड़ लगाना, आँसू छलक आना, पीठ थपथपाना,

चेहरा पीला पड़ना

प्रश्न V निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

जीवन घटनाओं का समूह है। यह संसार एक बहती नदी के समान है। इसमें बूँद न जाने किन-किन घटनाओं का सामना करती, जूँगती आगे बढ़ती है। देखने में तो इस बूँद की हस्ती कुछ भी नहीं। जीवन में कभी-कभी ऐसी घटनाएँ घट जाती हैं जो मनुष्य को असंभव से संभव की ओर ले जाती हैं। मनुष्य अपने को महान् कार्य कर सकने में समर्थ समझने लगता है। मेरे जीवन में एक रोमांचकारी घटना है जिसे मैं आप लोगों को बताना चाहता हूँ।

1) जीवन क्या है ?

2) जीवन में अचानक घटी घटनाएँ मनुष्य को कहाँ ले जाती हैं ?

3) लेखक क्या सुनाना चाहता है ?

4) उपरोक्त गद्यांश में 'रोमांचकारी' शब्द का अर्थ लिखिए।

5) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

प्रश्न VI कोई एक पत्र लिखें:

बहन के विवाह पर अवकाश लेने के लिए मुख्य अध्यापक को प्रार्थना पत्र ।

प्रश्न VII नीचे दिए गए किसी एक विषय पर निबंध अथवा कहानी लिखिए।

दीपावली, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी, हाथी और दर्जी

अङ्गास शीट 4

प्रश्न I (i) निम्नलिखित बहुवैकल्पिक प्रश्नों में से सही विकल्प को चुनिए:

1) निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा शब्द 'बरखा' का पर्यायवाची नहीं है।

क) बरसात

ख) बारिश

ग) मॉह

घ) पानी

2) निम्नलिखित शब्दों में से 'नीर' शब्द का पर्यायवाची शब्द चुनें ।

- क) नदी ख) तालाब ग) सागर घ) जल
- 3) निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द का चुनाव करें।
 क) उमीद ख) उम्मीद ग) आमीद घ) आम्मीद
- 4) निम्नलिखित में उचित संबंध बोधक का चुनाव करें।
 सङ्क काती-सफेद लाइनें लगायी गयी हैं।
 क) पर ख) से दूर ग) के चारों ओर घ) के एक तरफ
- 5) निम्नलिखित वाक्य में से सर्वनाम शब्द चुनें।
 बेटा ! कौन आया है?
 क) बेटा ख) कौन ग) आया घ) है
- 6) निम्नलिखित वाक्य में से क्रिया शब्द चुनें।
 'जल्लाद ने तलवार उठायी' ।
 क) जल्लाद ख) ने ग) तलवार घ) उठायी
- 7) निम्नलिखित शब्दों में से क्रियाविशेषण शब्द चुनें।
 क) महाराज ख) आप ग) यहाँ घ) बैठिए।
- 8) 'उनके हाथ से लगाम छूट गई।' वाक्य में किस कारक का प्रयोग हुआ है।
 क) कर्ता कारक ख) कर्म कारक ग) करण कारक घ) अपादान कारक
- 9) गीत गाने वाले बच्चे कहाँ से आए हैं?
 क) राजस्थान ख) नेपाल ग) पंजाब घ) भारत के कोने कोने से
- 10) भाई कन्हैया घायलों की सेवा किस प्रकार करता था?
 क) खाना खिलाकर ख) पानी पिलाकर ग) पैसे देकर घ) इनमें से कोई नहीं
- 11) हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए?
 क) कड़वी ख) मीठी ग) खट्टी घ) इनमें से कोई नहीं
- 12) वर्षा ऋतु से पूर्व कौन सी ऋतु होती है ?
 क) सर्दी ख) गर्मी ग) बसंत घ) हेमंत
- 13) 'गिरि' शब्द का अर्थ चुनें:
 क) आग ख) बादाम ग) धरती घ) पर्वत
- 14) 'नीङ' शब्द का क्या अर्थ है?
 क) घोंसला ख) तिनके ग) जंगल घ) बादल
- 15) 'प्रातः' शब्द का अर्थ क्या है?
 क) सवेरा ख) राति ग) किरण घ) प्रकाश

(ii) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

हैं जन्म लेते जगह में एक ही ।
 एक ही पौधा उन्हें है पालता।
 रात में उन पर चमकता चाँद भी।
 एक ही सी चाँदनी है डालता ॥
 मेह उन पर है बरसता एक-सा।
 एक-सी उन पर हवाएँ हैं बहीं ।
 पर सदा ही यह दिखाता है हमें।
 ढंग उनके एक से होते नहीं ॥

- फूल और कँटा कहाँ जन्म लेते हैं ?
- रात के समय उन पर कौन एक जैसी चाँदनी डालता है?
- दोनों के ढंग एक जैसे होते हैं ? हाँ/ नहीं
- 'मेह' शब्द का क्या अर्थ है?
- ये पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं ?

(iii) निर्देश अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

- 1) 'तिनका 'शब्द का बहुवचन 'तिनके' होगा । (सही / गलत)
- 2) 'झूठ' शब्द का विपरीत 'झूठ' होगा। (सही / गलत)
- 3) विद्या प्राप्त करने वाला 'शिक्षक' होता है। (सही/गलत)
- 4) 'वह पाठ पढ़ रहा था।' इस वाक्य को वर्तमानकाल में लिखें।
- 5) रिक्त स्थान में उचित विराम चिह्न भरें । '.....! मेरी प्रजा पर अत्याचार हो रहा है।' (आह/ वाह)
- 6) रिक्त स्थान में उचित योजक भरें। गिल्लू परदे पर चढ़ा नीचे उत्तर गया। (क्योंकि/और)

प्रश्न II निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें।

- 1) हार्दिक को चंडीगढ़ जाना अच्छा क्यों नहीं लग रहा था?
- 2) संवाददाता ने अशोक को क्या समाचार दिया?
- 3) अंग्रेजों की क्या नीति थी ?
- 4) गिल्लू कौन था?
- 5) जूलिया को लेखक ने कितने रुबल दिये?

प्रश्न IV (i) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें।

- 1) धीरा ने चोर को कैसे पकड़वाया ? अपने शब्दों में लिखें।
- 2) राजा अपने जीवन से निराश क्यों हो गया था?
- 3) राष्ट्रीय झंडे के बारे में आप क्या जानते हो?

प्रश्न IV (ii) निम्न पंजाबी शब्दों का हिंदी अनुवाद करें:

गुंम, हंसु, अंधर, भैण, नींह, अंगारेज़, अंधां, पॅउर

प्रश्न V निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

शरीर को स्वस्थ या निरोग रखने में व्यायाम का कितना महत्व है, इस पर कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। आज की भाग-दौड़ से भरी जिंदगी ने मनुष्य को इतना व्यस्त कर दिया है कि वह यह भी भूल गया है कि इस सारी भाग-दौड़ का वह तभी तक हिस्सेदार है जब तक कि उसका शरीर भी स्वस्थ है। जो व्यक्ति अपने शरीर की उपेक्षा करता है वह अपने लिए रोग, बुढ़ापे तथा मृत्यु का दरवाजा खोलता है। वैसे तो अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन, स्वच्छ जल तथा शुद्ध, वायु, संयम तथा नियमित जीवन सभी कुछ आवश्यक हैं किंतु इन सबमें व्यायाम करने वाले व्यक्ति में कुछ ऐसी अद्भुत शक्ति आ जाती है कि अपने सारे शरीर पर उसका अधिकार हो जाता है।

- 1) व्यायाम का क्या महत्व है ?
- 2) आज व्यक्ति क्या भूल गया है?
- 3) शरीर की उपेक्षा करने वाला व्यक्ति क्या नुकसान करता है ?
- 4) अच्छे स्वास्थ्य के लिए क्या आवश्यक है ?
- 5) 'निरोग' शब्द का क्या अर्थ है ?

प्रश्न VI पत्र लिखें:

मित्र के प्रथम आने पर उसे बधाई देते हुए पत्र लिखें।

प्रश्न VII नीचे दिए गए किसी एक विषय पर निबंध अथवा कहानी लिखिए।

प्रश्न-7 नीचे दिए गए किसी एक विषय पर निबंध अथवा कहानी लिखिए।

मेरा अध्यापक, दीपावली, दो मित्र और रीछ

कंप्रिहेंसिव शीट

संज्ञा- जिस शब्द के द्वारा किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान अथवा भाव के नाम का बोध हो, उसे संज्ञा कहते हैं।

जैसे - राम, पुस्तक, दिल्ली, वीरता आदि ।

संज्ञा के भेद - संज्ञा के तीन भेद हैं :

- 1 व्यक्तिवाचक संज्ञा- किसी विशेष प्राणी, वस्तु, स्थान आदि के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- कबीर, मेघालय, हिमालय इत्यादि।
- 2 जातिवाचक संज्ञा- जो शब्द किसी प्राणी, वस्तु, स्थान आदि की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, वे जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे-बेटा, मित्र, पशु, छात्र इत्यादि।
- 3 भाववाचक संज्ञा- किसी गुण, दोष, अवस्था, तथा मन के भाव आदि का बोध कराने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे-ईमानदारी, सच्चाई, मित्रता, प्रशंसा आदि।

सर्वनाम- संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्दों

को सर्वनाम कहते हैं। जैसे मैं, तुम, हम, वह,
आप, क्या, कौन आदि ।

सर्वनाम के छह भेद होते हैं -

1. **पुरुषवाचक सर्वनाम-** बोलने वाले, सुनने वाले तथा जिसके विषय में बात होती है, उनके लिए प्रयोग किए जाने वाले सर्वनाम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं:-
(क) उत्तम पुरुष- मैं, मेरा, मुझे, हम, हमारा आदि।
(ख) मध्यम पुरुष- तू, तुम, तेरा, तुम्हारा, आप, आपका आदि।
(ग) अन्य पुरुष- वह, वे, वो, उस, उसका, उन, उनका, उनके आदि।
2. **निश्चयवाचक सर्वनाम-** जो सर्वनाम शब्द किसी निश्चित व्यक्ति, वस्तु अथवा घटना की ओर संकेत करते हैं, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहा जाता है। जैसे-यह, उसी, तुम्हीं, उन्हीं आदि।
3. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम-** जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु का बोध न हो, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे-कोई, कुछ आदि।
- 4 **संबंधवाचक सर्वनाम-** जो सर्वनाम शब्द वाक्य में प्रस्तुत संज्ञा या सर्वनाम के बीच संबंध बताते हैं, उन्हें सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे-जो-सो, जैसा-वैसा।
5. **प्रश्नवाचक सर्वनाम-** जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न के लिए किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे- किसने, कौन आदि।
6. **निजवाचक सर्वनाम-** जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्ता के साथ अपनेपन का ज्ञान कराने के लिए किया जाए, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे-अपने-आप, स्वयं इत्यादि।

निम्नलिखित वाक्यों में आए सर्वनाम शब्द को रेखांकित करें और उसका भेद बताएं:

(क) उन्होंने शेरनी के मुँह में हाथ डालने की कोशिश की।

उत्तर : उन्होंने = अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

(ख) मैं पेंशन नहीं लूँगी ।

उत्तर: मैं = उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम

(ग) आपको पाँच हजार रुपये पेंशन दी जाएगी।

उत्तर: आपको = मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम।

(घ) कोई भी बचने नहीं पाए ।

उत्तर: कोई = अनिश्चयवाचक सर्वनाम ।

(ङ) बेटा! कौन आया है ?

उत्तर: कौन = प्रश्नवाचक सर्वनाम।

(च) यह रानी का महल है ।

उत्तर: यह = निश्चयवाचक सर्वनाम।

विशेषण

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों

को विशेषण कहते हैं। जैसे: मीठा, अच्छा, लंबा आदि।

विशेषण के चार भेद हैं-

1. गुणवाचक विशेषण- वे विशेषण शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम शब्द (विशेष्य) के गुण-दोष, रूप-रंग, आकार, स्वाद, दशा, अवस्था, स्थान आदि का बोध कराते हैं, गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे:- अच्छा, बुरा, कोमल, सरल, कठोर, नीला, सुन्दर, बड़ा, इत्यादि।

2. संख्यावाचक विशेषण- वे विशेषण शब्द जो संज्ञा अथवा सर्वनाम की संख्या का बोध कराते हैं, संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे:- मैं पाँच किलो आम लाई हूँ।

3. परिमाणवाचक विशेषण- जिन विशेषण शब्दों से किसी वस्तु की माप-तोल संबंधी विशेषता का बोध होता है, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे:- शरीर में लगभग पाँच लीटर खून होता है।

4. सार्वनामिक विशेषण- जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग संज्ञा से पहले उनके विशेषण के रूप में होता है, उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं। सार्वनामिक विशेषण को संकेतवाचक विशेषण भी कहा जाता है।

जैसे- यह घर मेरा है।

इन वाक्यों में विशेषण शब्दों को ढूँढ़कर लिखें:

(क) घोड़ा सुंदर और बड़ा बलवान था। उत्तर: सुंदर, बड़ा बलवान

(ख) खड़ग सिंह इलाके का प्रसिद्ध डाकू था। उत्तर: प्रसिद्ध

(ग) बाबा, मैं दुःखी हूँ। उत्तर: दुःखी

(घ) मैं उनका सौतेला भाई हूँ। उत्तर: सौतेला

(ङ) चौथा पहर आरंभ होते ही बाबा भारती ने अपनी कुटिया से बाहर निकल, ठंडे जल से स्नान किया। उत्तर: चौथा, अपनी, ठंडे

कारक

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया तथा वाक्य

के अन्य शब्दों के साथ उनका संबंध जात हो, उसे कारक कहते हैं।

क्र.सं.	कारक के भेद	परसर्ग/विभक्ति चिह्न
1.	कर्ता कारक	ने
2.	कर्म कारक	को
3.	करण कारक	से, के द्वारा
4.	सम्प्रदान कारक	के लिए
5.	अपादान कारक	से (पृथक् या अलग होने का भाव)
6.	सम्बन्ध कारक	का, की, के/रा, री, रे/ना, नी, ने
7.	अधिकरण कारक	में, पर
8.	सम्बोधन कारक	हे!, ओ!, अरे!, रे!

इन वाक्यों में रेखांकित पदों के कारक बताएं:

(क) वे गाँव से बाहर एक छोटे से मंदिर में रहते थे।

उत्तर- गाँव से = अपादान कारक, मंदिर में = अधिकरण कारक

(ख) उसके हृदय में हलचल होने लगी।

उत्तर- हृदय में = अधिकरण कारक

(ग) उसकी चाल देखकर खड़ग सिंह के हृदय पर साँप लोट गया।

उत्तर- हृदय पर = अधिकरण कारक

(घ) बाबा ने घोड़े को रोक लिया।

उत्तर- बाबा ने = कर्ता कारक

(ङ) उनके हाथ से लगाम छूट गई।

उत्तर- हाथ से = अपादान कारक

(च) वह धीरे-धीरे अस्पताल के फाटक पर पहुँचा।

उत्तर- अस्पताल के = संबंध कारक, फाटक पर = अधिकरण कारक

(छ) वे घोड़े को खोलकर बाहर ले गए।

उत्तर- घोड़े को = कर्म कारक

क्रिया

क्रिया- जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने

का बोध हो, उन्हें क्रिया कहते हैं। जैसे- बोलना, पढ़ना,

घूमना, आना, जाना आदि।

क्रिया के दो भेद हैं:

क्रिया के भेद:- (क) अकर्मक क्रिया (ख) सकर्मक क्रिया

(सकर्मक एवं अकर्मक क्रिया की पहचान)

(क) (i) जल्लाद ने तलवार उठायी।

(ii) सैनिकों ने राजा को पकड़ लिया।

पहले वाक्य में जल्लाद ने क्या उठायी ? उत्तर- 'तलवार'। 'तलवार' कर्म है। इसलिए यह सकर्मक क्रिया है। इसी तरह दूसरे वाक्य में सैनिकों ने किसे पकड़ लिया? उत्तर-राजा को। 'राजा को' कर्म है। इसलिए यह भी सकर्मक क्रिया है।

अतएव जिस क्रिया में कर्म होता है, वह सकर्मक क्रिया कहलाती है।

(ख) (i) राजा चिल्ला रहा था।

(ii) सैनिक चल पड़े।

उपर्युक्त वाक्यों में केवल कर्ता (राजा, सैनिक) तथा क्रिया (चिल्ला रहा था, चल पड़े) का, प्रयोग किया गया है। यहाँ कर्म नहीं है। इसलिए यहाँ अकर्मक क्रिया है।

अतएव जिन क्रियाओं में कर्म नहीं होता, वह अकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं।

सकर्मक एवं अकर्मक क्रिया की पहचान

सकर्मक तथा अकर्मक क्रिया की पहचान करने के लिए वाक्य में आई क्रिया पर 'क्या', 'किसे' या 'किसको' लगाकर

प्रश्न किया जाये। यदि उत्तर में कोई व्यक्ति या वस्तु आए, तो क्रिया सकर्मक होगी अन्यथा क्रिया अकर्मक होगी।

जैसे :-

जल्लाद ने क्या उठायी ? उत्तर मिलता है- 'तलवार'। इसी तरह सैनिकों ने किसे पकड़ लिया? उत्तर मिलता है- राजा को। अतएव ये सकर्मक क्रियाएँ हैं किंतु 'खा' भाग के दोनों वाक्यों में प्रश्न करें तो उत्तर नहीं मिलता।

जैसे- राजा क्या चिल्ला रहा था? तथा सैनिक क्या चल पड़े? यहाँ प्रश्न ही अटपटा लगता है। यहाँ 'चिल्ला रहा था' तथा 'चल पड़े' क्रियाएँ कर्म की अपेक्षा नहीं रखतीं, अतः ये अकर्मक क्रियाएँ हैं।

2. (क) सेवक चला गया।

(ख) सेविका चली गयी।

उपर्युक्त पहले वाक्य में 'क' उदाहरण में क्रिया

का कर्ता पुलिंग (सेवक) है, अतः क्रिया भी पुलिंग (चला गया) है जबकि दूसरे वाक्य में 'ख' उदाहरण में क्रिया का कर्ता स्त्रीलिंग (सेविका) है अतः क्रिया भी स्त्रीलिंग (चली गयी) है।

अतः लिंग में परिवर्तन के कारण क्रिया में भी परिवर्तन हुआ है।

इस प्रकार- संज्ञा शब्दों की तरह क्रिया शब्दों के भी दो लिंग होते हैं।

1. पुलिंग 2. स्त्रीलिंग।

(क) राजा जंगल की ओर निकल पड़ा।

(ख) वे (राजा और मंत्री) जंगल की ओर निकल पड़े।

उपर्युक्त पहले वाक्य में 'क' उदाहरण में कर्ता (राजा) एक वचन है, अतः क्रिया भी एक वचन (निकल पड़ा) प्रयुक्त हुई है तथा दूसरे वाक्य में कर्ता 'वे' बहुवचन है, अतः क्रिया भी बहुवचन (निकल पड़े) प्रयुक्त हुई है।

अतः वचन बदलने पर क्रिया का रूप भी बदल जाता है।

इस प्रकार क्रिया शब्दों के दो वचन होते हैं ।

1. एकवचन 2. बहुवचन।

इन वाक्यों में क्रिया अकर्मक है अथवा सकर्मक है? लिखें।

(क) धीरा जूते पालिश करता था। (सकर्मक)

(ख) धीरा घबरा गया । (अकर्मक)

(ग) वह लपक कर सिपाहियों के पास पहुँचा। (अकर्मक)

(घ) दो सिपाही आ रहे हैं। (अकर्मक)

(ङ) वह एक लोकप्रिय धुन गुनगुना रहा था। (सकर्मक)

(च) धीरा बहुत मेहनती लड़का था। (अकर्मक)

(छ) धीरा ने चुपचाप उसके दोनों जूतों के फीते एक दूसरे से बाँध दिये। (सकर्मक)

काल

(क) घोड़ा हिनहिनाया।

(ख) घोड़ा हिनहिना रहा है।

(ग) घोड़ा हिनहिनायेगा।

उपर्युक्त वाक्यों में ध्यान से क्रिया को पहचानिए। ध्यान दीजिए कि पहले वाक्य में क्रिया हो चुकी है (हिनहिनाया) दूसरे वाक्य में क्रिया हो रही है- (हिनहिना रहा है) तथा तीसरे वाक्य में क्रिया आने वाले समय में अभी होगी (हिनहिनायेगा)। दरअसल क्रिया से यह भी पता चलता है कि काम कब हुआ अर्थात् क्रिया होने का समय। इसे ही क्रिया का काल कहते हैं।

अतएव क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का जान हो, उसे 'काल' कहते हैं।

(क) बाबा जी ने घोड़े को रोका।

(ख) खड़ग सिंह उस इलाके का प्रसिद्ध डाकू था।

(ग) बाबा भारती सुलतान की पीठ पर सवार होकर घूमने जा रहे थे।

इन वाक्यों में 'रोका', 'था' तथा 'जा रहे थे' क्रियाएँ हैं। इनमें क्रिया का करना या होना बीते हुए समय में हुआ है।

अतः बीते समय को भूतकाल कहते हैं।

(क) अपाहिज घोड़े को दौड़ाए जा रहा है।

(ख) अपाहिज घोड़े को दौड़ाता है।

(ग) अपाहिज घोड़े को दौड़ाता होगा।

इन वाक्यों में 'दौड़ाए जा रहा है', 'दौड़ाता है', तथा 'दौड़ाता होगा' क्रियाएँ हैं। इनमें क्रिया चल रहे समय अर्थात् वर्तमान काल में हो रही है।

अतः चल रहे समय को वर्तमान काल कहते हैं।

(क) बाबाजी, यह घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा।

(ख) उसकी चाल तुम्हारा मन मोह लेगी।

उपर्युक्त वाक्यों में 'रहने दूँगा' तथा 'मोह लेगी' क्रियाएँ हैं। इन क्रियाओं से भविष्य में कार्य के होने का पता चलता है अर्थात् अभी कार्य हुआ नहीं है।

अतः जब क्रिया का करना या होना आने वाले समय

में पाया जाता है, उसे भविष्यत् काल कहते हैं।

वाच्य

1. धीरा जूते पॉलिश करता था।

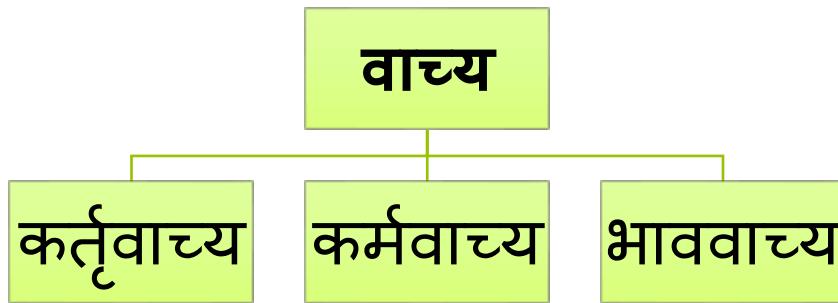
2. धीरा द्वारा जूते पॉलिश किये जाते थे।

3. धीरा से रहा नहीं गया।

उपर्युक्त पहले वाक्य में क्रिया कर्ता (धीरा) के अनुसार है, दूसरे वाक्य में क्रिया कर्म (जूते) के अनुसार है तथा तीसरे वाक्य में कर्म नहीं है अर्थात् यहाँ भावों (रहा नहीं गया) की ही प्रधानता है।

अतएव क्रिया के जिस रूप से यह जाना जाये कि क्रिया कर्ता के अनुसार है या कर्म के अनुसार है या भाव के अनुसार है, उस रूप को वाच्य कहते हैं।

इस तरह वाच्य तीन प्रकार के होते हैं :-



(i) धीरा धुन गुनगुना रहा था।

(ii) धीरा द्वारा धुन गुनगुनायी जा रही थी।

पहले वाक्य में कर्ता (धीरा) प्रधान है और क्रिया का लिंग (गुनगुना रहा था) एवं वचन उसी कर्ता के अनुसार है।

अतएव क्रिया के जिस रूप में कर्ता प्रधान हो, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं।

दूसरे वाक्य में क्रिया (गुनगुनायी जा रही थी) का लिंग एवं वचन कर्ता (धीरा) के अनुसार न होकर कर्म (धुन) के अनुसार है, यहाँ क्रिया कर्म वाच्य है।

अतएव क्रिया के जिस रूप में कर्म प्रधान हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं।

(iii) धीरा से रहा नहीं गया।

तीसरे वाक्य में 'रहा नहीं गया' क्रिया का भाव ही मुख्य है। क्रिया अकर्मक है जो अन्य पुरुष, पुलिंग, एकवचन में है।

अतएव क्रिया के जिस रूप में क्रिया के भाव की प्रधानता के कारण अकर्मक क्रिया का प्रयोग हो और जो सदैव अन्य पुरुष, पुलिंग तथा एकवचन में हो, उसे भाववाच्य कहते हैं।

क्रियाविशेषण

- कलिंग के फाटक आज बंद हैं।
- महाराज! आप यहाँ बैठिए।
- सैनिक ने अपनी तलवार झटपट संभाल ली।
- अधिक मत बोलो।

उपर्युक्त पहले वाक्य में 'आज' शब्द क्रिया के काल, दूसरे वाक्य में 'यहाँ' शब्द क्रिया के स्थान, तीसरे वाक्य में 'झटपट' शब्द क्रिया की रीति तथा चौथे वाक्य में 'अधिक' शब्द क्रिया की मात्रा संबंधी विशेषता बता रहे हैं। अतः ये क्रिया विशेषण हैं।

अतएव क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं।

- मैं युद्ध कल करूँगा।

इस वाक्य में "कल" शब्द से क्रिया के काल (समय) का पता लग रहा है। अतः यह कालवाचक क्रियाविशेषण है।

अतएव जो शब्द क्रिया के काल (समय) संबंधी विशेषता बताये, उसे कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

अन्य कालवाचक शब्दः- रोज़, प्रातः, परसों, अभी, सुबह, शाम, रात, कभी, अब, तब, आजकल आदि।

- सब आश्चर्य से उधर देखने लगते हैं।

इस वाक्य में 'उधर' शब्द से क्रिया के स्थान का पता चल रहा है। अतः यह स्थानवाचक क्रियाविशेषण है।

अतएव जो शब्द क्रिया की स्थान संबंधी विशेषता बताये, उसे स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

अन्य स्थानवाचक क्रियाविशेषण : यहाँ, वहाँ, इधर, ऊपर, नीचे, भीतर, बाहर, दूर, आगे, पीछे, चारों तरफ आदि।

- वह बहुत बोलता है।

इस वाक्य में 'बहुत' शब्द से क्रिया की मात्रा या परिमाण का पता चल रहा है, अतः यह

परिमाणवाचक क्रिया विशेषण हैं।

अतएव जो शब्द क्रिया की परिमाण संबंधी विशेषता बताये, उसे परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

अन्य परिमाणवाचक शब्द: थोड़ा, ज्यादा, कम, पर्याप्त, तनिक, इतना, उतना, न्यून, लगभग, काफी आदि।

4. संवाददाता महाराज से धीरे-से बोला।

इस वाक्य में 'धीरे-से' शब्द से क्रिया की रीति (ठंग) का पता चल रहा है अतः यह रीतिवाचक क्रियाविशेषण है।

अतएव जो शब्द क्रिया की रीति संबंधी विशेषता बताये, उसे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

अन्य रीतिवाचक क्रियाविशेषण: ऐसे, कैसे, जैसे, तैसे, वैसे, जल्दी-जल्दी, अकस्मात्, अचानक, सहसा, सामान्यतः, साधारणतः आदि।

योजक

(I) गिल्लू परदे पर चढ़ा और नीचे उत्तर गया।

(II) गिल्लू अन्य खाने की चीज़ें लेना बन्द कर देता था
या झूले से नीचे फेंक देता था।

(III) उनका मुझसे लगाव कम नहीं है परन्तु उनमें से किसी को मेरे साथ मेरी थाली में खाने की हिम्मत नहीं हुई।

(IV) भूख लगने पर गिल्लू का चिक-चिक करना ऐसा लगा मानो मुझे अपने भूखे होने की सूचना देता हो।

(V) सोनजुही की लता के नीचे गिल्लू को समाधि दी गयी, क्योंकि उसे वह लता सबसे प्रिय थी।

(VI) गिल्लू की जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अतः गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आ ही गया।

(VII) गिल्लू को कौवे की चोंच से घाव हो गया था, इसलिए वह निश्चेष्ट-सा गमले से चिपका पड़ा था।

उपर्युक्त वाक्यों में 'और', 'या', 'परन्तु', 'मानो', 'क्योंकि', 'अतः', तथा 'इसलिए' शब्द दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ रहे हैं। इन शब्दों को योजक या समुच्चयबोधक शब्द कहते हैं।

अतएव दो शब्दों, वाक्य के अंशों और वाक्यों को जोड़ने वाले शब्दों को योजक या समुच्चयबोधक कहते हैं।

अन्य योजक शब्द:- एवं, तथा, यानि, कि यद्यपि----तथापि, चाहे----फिर भी, किंतु, चाहे, पर आदि।

संबंधबोधक

1. सुमन अपने माता-पिता के साथ धर्मशाला गयी।

2. डल झील के चारों ओर देखो देवदार के पेड़ हैं।

3. घरों के सामने बाँस के अनगिनत वृक्ष हैं।

4. हम बागानों, मकानों और बंगलों के बीच से गुज़रती सड़क से न्यूगल कैफेटेरिया पहुँचे।

5. कैफेटेरिया के पीछे न्यूगल खड़ड है।

6. हम खराब सड़क के कारण ट्रैकिंग स्थल त्रिपुंड नहीं जा सके।

7. मेरे सामने प्रकृति के अद्भुत दृश्य थे।

उपर्युक्त वाक्यों में के साथ, के चारों ओर, के सामने, के बीच, के पीछे, के कारण तथा सामने शब्द संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों के साथ आकर उनका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ बता रहे हैं। अतः ये संबंधबोधक हैं।

अतएव जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के साथ जुड़कर उनका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों से बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक कहते हैं।

यदि इन संबंधबोधक अविकारी शब्दों को वाक्य में से निकाल दिया जाये तो वाक्य का अर्थ ही नहीं रहता।

अन्य संबंधबोधक शब्द :- पहले, बाद, आगे, पीछे, बाहर, भीतर, ऊपर, नीचे, पास, अनुसार, तरह, समान, बिना, कारण, तक, भर, संग, साथ, के मारे, बगैर, रहित, सिवाय आदि।

संबंधबोधक का प्रयोग दो प्रकार से होता है :-

1. विभक्तियों के साथ

2. विभक्तियों के बिना

1. विभक्तियों के साथ संबंधबोधक शब्द प्रमुख रूप से निम्नलिखित तरह से प्रयुक्त होते हैं: -

(i) हमने चिन्मय तपोवन की ओर प्रस्थान किया।

(ii) वीर सैनिकों ने देश की रक्षा के लिए प्राण

न्योछावर कर दिये।

(iii) पालम की घाटी सुन्दरी की तरह प्रतीत होती है।

2. विभक्तियों के बिना संबंधबोधक शब्द इस

प्रकार प्रयुक्त होते हैं:-

(i) मैं जीवन भर इस यात्रा को याद रखूँगी।

(ii) जान बिना जीवन बेकार है।

(iii) मुझे कई दिनों तक घर की याद नहीं आयी।

(iv) सड़क पर काली सफेद लकीर लगायी गयी है।

रिक्त स्थान में उचित सम्बन्धबोधक शब्द भरें:-

(क) इसे अन्य नियमों कठोरता से लागू नहीं किया जा सका है। (की ओर, की अपेक्षा)

(ख) आजा किसी को ऐसा नहीं करना चाहिए। (के लिए, के बिना)

(ग) सड़क काली-सफेद लकीरें लगायी गयी हैं। (के पास, पर)

(घ) हमें भारी गाड़ियों से नहीं गुजरना चाहिए। (के बीच, के बदले)

(ङ) चालक बैठे व्यक्ति को भी हेलमेट पहनना चाहिए। (के बगैर, के पीछे)

विस्मयादि बोधक

अरे ! मैं क्या झूठ बोल रहा हूँ ?

शाबाश ! मुझे आपसे यही आशा थी।

ना-ना ! मैं स्त्री-वध नहीं करूँगा।

आह ! मेरी प्रजा पर अत्याचार हो रहा है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'अरे', 'शाबाश', 'ना-ना' तथा 'आह' शब्द क्रमशः विस्मय, हर्ष, धृणा तथा शोक मनोभावों को व्यक्त कर रहे हैं। ये विस्मयादिबोधक शब्द हैं। इनका प्रयोग प्रायः वाक्य के शुरू में होता है तथा इन शब्दों के बाद जो चिह्न (!) लगता है, उसे विस्मयादिबोधक चिह्न कहते हैं।

अतएव जिन शब्दों से विस्मय, हर्ष, धृणा तथा शोक आदि मन के भाव प्रकट हों वे शब्द विस्मयादिबोधक कहलाते हैं।

कुछ मुख्य विस्मयादिबोधक शब्द इस प्रकार हैं:-

1. हर्षबोधक - अहा! वाह - वाह ! धन्य आदि।

2. धृणाबोधक - धिक! धत् ! थू-थू ! आदि।

3. शोकबोधक - उफ! बाप रे ! राम-राम ! सी ! त्राहि-त्राहि ! आदि।

4. विस्मयादिबोधक - क्या! ओहो ! हैं ! अरे !

5. स्वीकारबोधक - हाँ-हाँ ! अच्छा ! ठीक ! जी हाँ !

6. चेतावनी बोधक - सावधान! होशियार ! खबरदार !

7. भयबोधक - हाय! हाय राम ! उङ माँ ! बाप रे !

8. आशीर्वादबोधक - दीर्घायु हो! जीते रहो ! खुश रहो !

र के विभिन्न रूप

हिन्दी वर्णमाला में 'र' व्यंजन की विशेषता है

कि यह विभिन्न रूपों में प्रयोग किया है।

1. रेफ 'र'

स्वर रहित 'र' को व्याकरण की भाषा में 'रेफ' कहते हैं। जब यह दो वर्णों के बीच में आता है तो यह अपने आगे वाले वर्ण के ऊपर लग जाता है। जैसे -

धर्म

धर्म

कर्म

कर्म

यदि आगे वाला वर्ण मात्रायुक्त होता है तो 'र' उस आगे वाले वर्ण की मात्रा में जुड़ता है। जैसे -

प्रा + चा + र + या

प्राचार्या

ह + र + षि + त

हर्षित

2. पदेन 'र'

'र' से पहले यदि स्वर रहित व्यंजन हो तो यह अपने पहले वाले वर्ण के साथ अर्थात् स्वर रहित व्यंजन के साथ जोड़ा जाता है और इसके उस व्यंजन के पैर में लगने के कारण इसे व्याकरण की भाषा में 'पदेन' कहा जाता है। इसका प्रयोग दो प्रकार से किया जाता है।

1. पाई वाले स्वर रहित व्यंजनों के साथ इसका प्रयोग एक तिरछी (/) रेखा के रूप में होता है।

पाई से तात्पर्य है खड़ी लाइन (T) जब ऐसी खड़ी लाइन वाले आधे व्यंजनों के साथ 'र' जुड़ता है तो वह (/) इस प्रकार तिरछी रेखा के रूप में जोड़ा जाता है। जैसे-

ग + र + ह ग्रह

प + र + ए + म प्रेम

छोटी पाई वाले स्वर रहित व्यंजन 'र' उलटे वी (^) के आकार में लगाया जाता है। जैसे --

ट + र + क ट्रक

इ + र + म इम

महत्वपूर्ण बातें -

1 - 'र' द में तिरछी रेखा के रूप में जुड़ता है। द + र = द्र

2 - ह के साथ 'र' की स्थिति इस प्रकार होती है।

ह + र = ह

3 - त् तथा श् के साथ 'र' की स्थिति इस प्रकार होती है।

त + र = त्र

श + र = श्र

इ + र = इ

इन शब्दों में 'र' पूरा है या आधा लिखें :

प्रकट	पूरा	आश्चर्य	आधा
कीर्ति	आधा	प्रश्न
तर्क	ग्रह
सूर्य	मूर्ख
ट्रक	गर्म

व्यवहारिक व्याकरण

समानार्थक शब्द (पर्यायवाची शब्द)

गिरि	पर्वत, पहाड़, अचल	माथा	मस्तक, लताट
सागर	समुद्र, जलधि	किरण	मयूख, रश्मि
संदेशा	संदेश, समाचार	पानी	जल, नीर
प्रातः	सुबह, सवेरे	दुनिया	जग, संसार
राजा	नरेश, भूपति, नृप	परमात्मा	ईश्वर, भगवान, प्रभु
घोड़ा	तुरंग, अश्व, घोटक	सेवक	दास, नौकर, अनुचर
रात	निशा, रात्रि, रजनी	जंगल	वन, कानन, विपिन
वृक्ष	पेड़, तरु, विटप	तलवार	खड़ग, असि, कृपाण
फूल	पुष्प, सुमन, कुसुम	मेह	बादल, मेघ
चाँद	चंद्र, चंद्रमा	हवा	वायु, पवन
चाँदनी	मरीचि, ज्योत्सना	भौंरा	भॉंवरा, भ्रमर
बरखा	मेह, वर्षा, बरसात	धरा	भूमि, धरती
पंछी	पक्षी, नभेचर	जल	पानी, नीर
बादल	मेघ, घन	नदी	सरिता, तटिनी
सिंधु	सागर, समुद्र	किश्ती	नाव, नौका
कपड़ा	वस्त्र, पट	कान	कर्ण, श्रवण

बगीचा	बाग, उपवन	घर	गृह, निकेतन
दिन	दिवस, वार	स्वर्गवास	मौत, मृत्यु
माँ	जननी, माता	चरण	पैर, पाँव
रक्त	खून, लहू	इमारत	भवन, मकान
प्रणाम	नमन, नमस्कार	हाथ	हस्त, कर
स्वतंत्रता	आज़ादी, स्वाधीनता	शहीद	कुर्बान, हुतात्मा
वस्त्र	कपड़ा, चीर	शिखर	चोटी, शिखा
अटूट	मज़बूत, शक्तिशाली	राग	प्रेम, अनुराग
मशाल	लौ, दीपदंड, मुराड़ा	मिसाल	उदाहरण, नमूना
आदमी	नर, मानव, मनुष्य	हिरासत	कैद, जेल
जंगल	वन, कानन	नीड़	घोंसला, घरौंदा
पग	पाँव, पैर	घट	घड़ा, मटका
राहगीर	राही, मुसाफिर	श्रम	मेहनत, परिश्रम
शत्रु	दुश्मन, वैरी	युद्ध	लड़ाई, जंग
धरती	पृथ्वी, धरा	पानी	जल, नीर
गर्भी	उष्णता, ताप।	उपहार	तोहफा, भेंट
गुरु	अध्यापक, आचार्य	दुःख	कष्ट, पीड़ा
बेगाना	पराया, अनजान	कृपा	मेहर, दया
तनख्वाह	वेतन, आमदन	छुट्टी	अवकाश, फुर्सत
इतवार	रविवार, एतवार	हप्ता	सप्ताह
अचरज	आश्चर्य, हैरानी	नुकसान	हानि, क्षति
मालकिन	स्वामिनी, अधिकारणी	माफ	क्षमा
विद्या	शिक्षा, पढ़ाई	उद्यम	मेहनत, श्रम
पोथी	ग्रन्थ, किताब	पंथी	पथिक, यात्री
सीतल	ठंडा, तृप्त, शीतल	नियरे	निकट, पास
परलय	विनाश, सर्वनाश	निरमल	स्वच्छ, निर्मल
पौन	हवा, वायु	सुभाय	स्वभाव, प्रकृति
आखर	अक्षर, वर्ण	चूप	खामोशी, चुप्पी
पत्थर	पाहन, पाषाण		

शब्द-शुद्धि

कृतघन	कृतघ्न	चूमुण्डा	चामुण्डा
पत्थर	पत्थर	डावाडोल	डावांडोल
कुआ	कुआँ	सैनीक	सैनिक
शाबासी	शाबाशी	आपति	आपति
असानी	आसानी	उमीद	उम्मीद
उदारण	उदाहरण	जिमेवारी	ज़िम्मेवारी
कटूशब्द	कटुशब्द	अवश्यकता	आवश्यकता
सरिष्ट	सृष्टि	अनभिगयता	अनभिज्ञता
बीमारियाँ	बीमारियाँ	सामग्री	सामग्री
दुरघटनाएँ	दुर्घटनाएँ	तुछ	तुच्छ
शांती	शांति	भरम	ब्रम
विर्यर्थ	व्यर्थ	उचीत	उचित
आननद	आनंद	प्रमात्मा	परमात्मा
नमस्कार	नमस्कार	परसन्न	प्रसन्न

हिरदय	हृदय	कीरती	कीर्ति
चंडीगढ़	चंडीगढ़	युध	युद्ध
सैलयूट	सैल्यूट	आप्रेशन	ऑप्रेशन
प्रसंशा	प्रशंसा	मालुम	मालूम
इमानदारी	ईमानदारी	प्रन	प्रण
पराधना	प्रार्थना	चारट	चार्ट
ट्रैफिक	ट्रैफिक	दाँयी	दायी
मंत्र	मंत्र	सिखना	सीखना
किन्तू	किन्तु	रफतार	रफतार
मोबाइल	मोबाइल	रुकावट	रुकावट
मतबल	मतलब	निश्चित	निश्चित
उबड़-खबड़	उबड़-खाबड़	रस्ते	रास्ते
धन्यावाद	धन्यवाद	परीचै	परिचय
महिसूस	महसूस	बहादूर	बहादुर
चिलाना	चिल्लाना	लङ्कीयाँ	लङ्कियाँ
जमीन	ज़मीन	अधियापिका	अध्यापिका
अनूमति	अनुमति	स्कूल	स्कूल
चिकित्सा	आवाज	आवाज़	चिकित्सा
कमज़ोर	कमज़ोर	इरद-गिरद	इर्द-गिर्द

लिंग बदलो

घोड़ा	घोड़ी	बालिका	बालक
बेटा	बेटी	पुत्री	पुत्र
दास	दासी	पिता	माता
बकरा	बकरी	देवी	देव
वीर	वीरांगना	साधु	साध्वी
रानी	राजा	दास	दासी
समाट	समाजी	देवी	देव
महाराज	महारानी	पुरुष	स्त्री
प्रातः काल	सायंकाल	पति	पत्नी

वचन बदलो

आशा	आशाएँ	ऊँचा	ऊँचे
उमंग	उमंगे	कोना	कोने
संदेश	संदेशे	बच्चा	बच्चे
सिपाही	सिपाहियों	आदमी	आदमियों
झुग्गी	झुग्गियाँ	चोरी	चोरियाँ
जौहरी	जौहरियों	घड़ी	घडियाँ
चिड़िया	चिड़ियाँ	पैसा	पैसे
तिनका	तिनके	भाषा	भाषाएँ
बूँद	बूँदे	मंज़िल	मंज़िलें

विपरीत शब्द

जीवित	मृत	भलाई	बुराई
अस्त	उदय	प्रातः काल	सायंकाल
कृतधन	कृतज्ञ	शुभ	अशुभ

रोगहीन	रोगग्रस्त	दोष	गुण
स्वामी	सेवक	इच्छा	अनिच्छा
सावधान	असावधान	गरीब	अमीर
भय	निर्भय	सुख	दुःख
संैद्या	सवेर	अँधेरा	उजाला
संतोष	असंतोष	छाया	धूप
स्वीकार	अस्वीकार	भला	बुरा
शीतल	ऊष्म	कुम्हलाना	खिलना
बिखरना	सिमटना	दुर्बल	सबल
वियोग	संयोग	मिलन	जुदाई
साधारण	असाधारण	विश्वास	अविश्वास
मित्र	शत्रु	जीवन	मृत्यु
विजय	पराजय	प्रशंसा	निंदा
अपराधी	निरपराध	अचेत	सचेत
प्रातः	सायं	गुप्त	प्रकट
युद्ध	शांति	स्वतंत्रता	परतंत्रता
मरण	जन्म	कालकूट	सुधा
गर्भी	सर्दी	दायाँ	बायाँ
अमीर	गरीब	इनाम	दंड
लघु	दीर्घ		चंचल
सुलभ	दुर्लभ		मुक्ति
उष्णता	शीतलता	तीव्र	मंद
शिकायत	प्रशंसा		धरती
दुःख	सुख		शत्रु
गुरु	शिष्य		प्यास
मुश्किल	आसान	नुकसान	फायदा
अन्याय	न्याय		झूठ
भीरु	निडर		विरोध
बीमार	स्वस्थ		समर्थन
			नकली
			असली

भाववाचक संज्ञा बनाएं

गहरा	गहराई	अरुण	अरुणाई
आधुनिक	आधुनिकता	आवश्यक	आवश्यकता
अनभिज्ञ	अनभिज्ञता	अज्ञान	अज्ञानता
वीर	वीरता	मित्र	मित्रता
लड़का	लड़कपन	ऊँचा	ऊँचाई
महान	महानता	अच्छा	अच्छाई

अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द

- जहाँ पर घोड़े रखे जाते हैं
 - जिसका कोई अंग ठीक न हो
 - देश के लिए प्राण न्योछावर करना
 - चार रास्तों का समूह
 - जो अपराध न करे
 - खून दान करना
- अस्तबल
अपाहिज
शहादत
चौराहा
निरपराध
रक्तदान

7. संकोच करने वाला	संकोची
8. मन की स्थिति	मनःस्थिति
9. स्कूल का सर्वप्रमुख अध्यापक	मुख्याध्यापक
10. स्कूल में सुबह आयोजित की जाने वाली सभा	प्रार्थना सभा
11. स्कूटर चलाने वाला व्यक्ति	स्कूटर चालक
12. विद्या प्राप्त करने वाला	विद्यार्थी
13. जो बीमार हो	अस्वस्थ
14. जहाँ बीमारों का इलाज हो	अस्पताल

विशेषण निर्माण

चमक	चमकीला	कठिनाई	कठिन
स्वर्ण	स्वर्णिम	ठंडक	ठंडा
चंचलता	चंचल	उष्णता	उष्ण
बसंत	बसंती	विश्वास	विश्वसनीय

निम्नलिखित शब्दों के वर्ण-विच्छेद करें:-

भारत	= भ्+आ+र+अ+त्+अ
गिरि	= ग् +इ+र+इ
राजस्थानी	= र्+आ+ज्+अ+स्+थ्+आ+न्+इ
दुनिया	= द्+उ+न्+इ+य+आ
संदेश	= स्+अं+द्+ए+श्+आ
निर्मल	= न्+इ+र+म्+आ+ल्+अः
अक्षर	= अ + क् + ष् + अ + र् + अ
चिड़िया	= च् + इ + ड्+ इ + य् + आ
साक्षरता	= स् + आ + क् + ष् + अ + र् + अ + त् + आ
अभियान	= अ + भ् + इ + य् + आ + न् + अ

नये शब्द बनायें :-

धर्म + आत्मा	= धर्मात्मा	परम + आत्मा	= परमात्मा
भला + आई	= भलाई	अच्छा + आई	= अच्छाई
राष्ट्र + ईय	= राष्ट्रीय	भारत + ईय	= भारतीय
मानव + ईय	= मानवीय	संपादक + ईय	= संपादकीय
सराहना + ईय	= सराहनीय	देश + ईय	= देशीय
स्व + राज्य	= स्वराज्य	गुप्त + चर	= गुप्तचर
देश + द्रोही	= देशद्रोही	आक्रमण + कारी	= आक्रमणकारी
अ + समय	= असमय	विस्मय + इत	= विस्मित
सम्मान + इत	= सम्मानित	आकर्षण + इत	= आकर्षित
परिचय + इत	= परिचित	प्रकाश + इत	= प्रकाशित
फल + इत	= फलित	हिम + आच्छादित	= हिमाच्छादित
सूर्य + उदय	= सूर्योदय	सूर्य + अस्त	= सूर्यास्त
मुख्य + आलय	= मुख्यालय	स्वर्ण + अक्षर	= स्वर्णाक्षर
पर्वत + ईय	= पर्वतीय	निर् + वास + इत	= निर्वासित
प्र + शासन + इक	= प्रशासनिक	प्र + कृति + इक	= प्राकृतिक
भारत + ईय	= भारतीय	अंक + इत	= अंकित

उप + हार	= उपहार	बे + रहम	= बेरहम
उप + वास	= उपवास	बे + कायदा	= बेकायदा
उप + नयन	= उपनयन	बे + कसूर	= बेकसूर
उप + हास	= उपहास	बे + मेल	= बेमेल
उप + कार	= उपकार	बे + रोक	= बेरोक
उप + चार	= उपचार	बे + मिसाल	= बेमिसाल
उपेक्षा + इत	= उपेक्षित	परिचय + इत	= परिचित
धर्म + इक	= धार्मिक	प्रमाण + इत	= प्रमाणित
अधुना + इक	= आधुनिक	पुलक + इत	= पुलकित
विज्ञान + इक	= वैज्ञानिक	सुरक्षा + इत	= सुरक्षित
स्वेच्छा + इक	= स्वैच्छिक	शिक्षा + इत	= शिक्षित
नीति + इक	= नैतिक	पीड़ा + इत	= पीड़ित
परिवार + इक	= पारिवारिक	आनंद + इत	= आनंदित
इतिहास + इक	= ऐतिहासिक	सम्मान + इत	= सम्मानित
चिन्ता + इत	= चिन्तित		

अनेकार्थक शब्दों के अर्थ समझते हुए उन्हें वाक्य में प्रयोग करें

खाद (सड़ा-गलाकर बनाई गयी गोबर) पेड़ पौधों के लिए खाद बहुत जरूरी है।

खाद्य (खाने योग्य) खाद्य सामग्री कक्षा के अंदर लाना मना है।

सम्मान (इज्जत) राजू अपने माता-पिता का बहुत सम्मान करता है।

समान (बराबर) ईश्वर की निगाह में सभी समान हैं।

सामान (वस्तुएँ, सामग्री) माता ने अपने बच्चे को कमरे के सामान को सही ढंग से रखने को कहा।

जहाँ (जिस जगह) रीता ने किताबों को वहाँ रख दिया जहाँ वह पहले ही पड़ी थी।

जहां (जहान, संसार) इस जहां में अलग-अलग धर्मों के लोग रहते हैं।

हालत (दशा) राधा के पिताजी की हालत बीमारी के कारण दिन भर दिन बिगड़ती जा रही है।

हालात (परिस्थितियाँ) हमें अपने हालात के अनुसार ही खर्च करना चाहिए।

दवा (दवाई) यह दवा बहुत कडवी है।

दावा (अधिकार, हक) बच्चे पर दोनों औरतें ही अपना दावा जता रही हैं।

परितोषक (संतुष्ट या खुश करने वाला) उसके चाचा जी उसके परितोषक हैं।

पारितोषिक (इनाम) हमारे स्कूल में कल पारितोषिक वितरण समारोह है।

कुल (पूरा, सब, सारा) कक्षा में कुल 30 बच्चे हैं।

कुल (खानदान, वंश) राम राजसी कुल में पैदा हुए।

सदा (हर समय) हमें सदा सच बोलना चाहिए।

सदा (आवाज़) माँ की दर्द भरी सदा ने मुझे रुला दिया।

कॉफी (कहवा) कॉफी पीकर सारी थकान उत्तर गई।

काफी (बहुत) कई दिनों से उसकी माता जी काफी परेशान दिख रही थीं।

वर (उत्तम, श्रेष्ठ) भगवान शिव ने कंस को वर दिया।

वर (दूल्हा) सीता के लिए वर की तलाश हो रही है।

पर (पराया) हमें पर-उपकार की भावना रखनी चाहिए।

पर (पंख) पक्षियों के पर होते हैं।

खिलना (विकसित होना) बाग में फूल खिल गए हैं।

खिलना (प्रसन्न होना) राम का मुख प्रसन्नता से खिल उठा।

खिलाना (खाने में प्रवृत्त करना) माँ बच्चे को बेहतर खाना खिलाती है।

खिलाना (खेल खिलाना) आज कोच ने हमें बहुत से खेल खिलाए।

धुन (गीत की लय) धीरा लोकप्रिय धुन गा रहा था।

धुन (निश्चय, दृढ़) राम अपनी धुन का पक्का है।

सोना (एक धातु, जिस के गहने बनाए जाते हैं) चोर सोने का गहना लेकर भाग गया।

सोना (सोने की क्रिया, नींद में लेट कर सो जाना) राम सोने का यत्न कर रहा था।

ध्यान (तल्लीन होकर काम करना) मैं सारे काम ध्यान से करती हूँ।

ध्यान (परमात्मा की ओर मन लगाना) राम ध्यान में लीन है।

निम्नलिखित मुहावरों /लोकोक्तियों का वाक्य

मैं इस प्रकार प्रयोग करें कि उनका अर्थ

स्पष्ट हो जाए-

1. पत्थर दिल (कठोर दिल वाला) मोहन एक पत्थर दिल लड़का है। वह तुम्हारी भावनाओं को नहीं समझ सकता।
2. रोगहीन (जिसे कोई बीमारी न हो) अस्पताल से आने के बाद मोहन अब पूरी तरह से रोगहीन है।
3. थका-हारा (बहुत थका हुआ) किसान थका-हारा शाम को घर पहुँचा।
4. नेक दिल (अच्छे हृदय वाला, दयावान) महात्मा गांधी जी एक नेक दिल इंसान थे।
5. शुभ लक्षण (अच्छा संकेत) मंत्री का कुएँ में गिरना भी एक शुभ लक्षण था।
6. मौत के घाट उतारना (मार देना) राजा ने अपने शत्रु को मौत के घाट उतार दिया।
7. संकल्प पूरा करना (वादा पूरा करना) रावण को मारकर श्रीराम ने अपना संकल्प पूरा किया।
8. प्राणों की खेर मनाना (अपनी जान का बचाव करना) राजा शूरसेन प्राणों की खेर मनाता हुआ महल से भाग निकला।
9. मृत्यु-तुल्य जीवन बिताना (दुःखों और अभावों में जीवन जीना) गंभीर बीमारी के कारण राधा मृत्यु-तुल्य जीवन बिता रही है।
10. जल भुनना (ईर्ष्या करना) हमें कभी दूसरों की प्रगति को देखकर जल भुनना नहीं चाहिए।
11. प्राणों की रक्षा करना (जान बचाना) राम ने रक्तदान करके अपने दोस्त के प्राणों की रक्षा की।
12. तुच्छ पड़ जाना (कमज़ोर पड़ जाना) रक्तदान करने से कोई भी मनुष्य तुच्छ नहीं पड़ता।
13. प्राण हर लेना (जान ले लेना) गंभीर बीमारी ने राम के प्राण हर लिये।
14. अपनी चपेट में लेना (अपनी पकड़ में लेना) करोना जैसी भयानक बीमारी लोगों को अपनी चपेट में लेती जा रही है।
15. हाथ धो बैठना (खो देना) कितने रोगी प्रतिवर्ष केवल समय पर रक्त न मिलने के कारण ही प्राणों से अकारण हाथ धो बैठते हैं।
16. आनाकानी करना (टालमटोल करना) जब मैंने राम से अपने उंधार दिए हुए पैसे माँगे तो वह आनाकानी करने लगा।
17. प्यार में डूबना (प्यार होना) मीरा कृष्ण के प्यार में डूब गई थी।
18. पर कतरने (अधिकार कम करना) राम बहुत उछल रहा है, लगता है उसके पर कतरने ही पड़ेंगे।
19. जी खिल उठना (मन खुश होना) कक्षा में प्रथम आने का समाचार सुनकर मेरा जी खिल उठा।
20. आँखों में खटकना (बुरा लगना) कँटा सबकी आँखों में खटकता है।
21. कसर होना (कमी होना) इतनी मेहनत करो कि कोई कसर बाकी न रहे।
22. गोद बिठाना (शरण में लेना) माँ ने अपने बच्चे को गोद में बिठा लिया।
23. सीस पर सोहना (सिर पर अच्छा लगना) कृष्ण के सिर पर मोर पंख सोह रहा है।
24. हृदय अधीर होना (दिल बेचैन होना) माँ को बीमार देखकर मेरा हृदय अधीर हो गया।
25. शब्द कानों में गूँजना (बार-बार बात याद आना) बाबा भारती के शब्द डाकू के कानों में गूँजते रहे।
26. हृदय पर साँप लोटना (ईर्ष्या होना) राम की नयी कार देखकर, शाम के हृदय पर साँप लोटने लगा।
27. हाथ से छूटना (खो देना) अचानक लगाम बाबा के हाथ से छूट गई।
28. गले लिपट कर रोना (प्यार उमड़कर आना) बाबा भारती घोड़े के गले लिपट कर रोने लगे।
29. दिल टूटना (हताश होना) घोड़े को खोकर बाबा जी का दिल टूट गया।

30. नेकी के आँसू बहाना (पश्चाताप करना) बाबा के शब्दों को सुनकर खड़ग सिंह नेकी के आँसू बहाने लगा।
31. मुँह मोड़ना (रुठ जाना) गीता ने सीता से मुँह मोड़ रखा है।
32. पीठ पर हाथ फेरना (प्यार से सहलाना) बाबा भारती भावुक हो कर घोड़े की पीठ पर हाथ फेरने लगे।
33. मन मोह लेना (मन को आकर्षित करना) बाबा जी का घोड़ा सबका मन मोह लेता था।
34. कीर्ति कानों तक पहुँचना (किसी के यश को सुनना) जल्द ही, बाबा जी के घोड़े की कीर्ति सब के कानों तक पहुँच गई।
35. चाह खींच लाना (इच्छा से प्रभावित होना) खड़ग सिंह को घोड़े तक उसकी चाह खींच लाई।
36. हृदय पर छवि अंकित हो जाना (मन में बस जाना) सीता की सुंदरता की छवि सब के हृदय पर अंकित गई।
37. हृदय में हलचल होना (उत्सुक होना) परिणाम आने पर सबके हृदय में हलचल होने लगी।
38. वायु वेग से उड़ना (बहुत तेज दौड़ना) सुलतान दौड़ते हुए ऐसा लगता था कि जैसे वायु वेग से उड़ रहा हो।
39. आश्चर्य का ठिकाना न रहना (हैरान रह जाना) प्रथम आने का समाचार सुनकर मेरे आश्चर्य का ठिकाना न रहा।
40. तनकर बैठना (अकड़कर बैठना) वह तनकर घोड़े पर बैठ गया।
41. छक्के छुड़ाना (बुरी तरह हराना) भारतीय सैनिकों ने दुश्मन की सेना के छक्के छुड़ा दिए।
42. जान देना (देश के लिए मरना) भगत सिंह ने देश की रक्षा के लिए अपनी जान दे दी।
43. सिर ऊँचा करना (यश बढ़ाना) कक्षा में पहले स्थान पर आकर राम ने अपने माता-पिता का सिर ऊँचा कर दिया।
44. कान खड़े होना (सावधान होना) शेर की आवाज़ सुनकर शिकारी के कान खड़े हो गए।
45. नाम रोशन करना (यश बढ़ाना) कक्षा में प्रथम आकर राम ने अपने माता-पिता का नाम रोशन कर दिया।
46. सिर उठाना (विरोध में उठना) अत्याचार के खिलाफ़ सभी को सिर उठाना चाहिए।
47. दबदबा होना (रौब जमाना) हार्दिक का पूरी कक्षा पर दबदबा हो गया था।
48. आस्तीन का साँप (कपटी मित्र) राम तो आस्तीन का साँप निकला।
49. छठी का दूध याद आना (बहुत अधिक कठिनाई महसूस होना) गणित के प्रश्न हल करते-करते मुझे छठी का दूध याद आ गया।
50. बाल भी बाँका न होना (तनिक भी चोट न पहुँचना) माँ अपने बच्चे का बाल भी बाँका नहीं होने देती।
51. गुनगुनाना (हल्की आवाज़ में कुछ गाना) धीरा लोकप्रिय गीत गुनगुना रहा था।
52. मिज़ाज गर्म होना (गुस्से में होना) जब बच्चे माता-पिता का कहना नहीं मानते तो उनका मिज़ाज गर्म हो जाता है।
53. मुँह के बल गिरना (चोट खाना) पत्थर से ठोकर लगने के कारण राकेश मुँह के बल गिरा।
54. मंत्रमुग्ध होना (खो जाना) लता की मीठी आवाज़ ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।
55. लोहा लेना (युद्ध करना) भारतीय सैनिक दुश्मनों से अच्छी तरह लोहा लेना जानते हैं।
56. सदा के लिए आँखें बंद करना (मर जाना) कल सुरेश के दादा जी सदा के लिए आँखें बंद कर गए।
57. पूर्णाहुति (यज्ञ की अंतिम आहुति) अशोक ने यज्ञ की आग में पूर्णाहुति डाली।
58. तलवार फेंकना (कभी युद्ध ना करना) कलिंग के युद्ध के बाद अशोक ने तलवार फेंक दी।
59. सिर काटना (मार देना) अशोक ने युद्ध में दुश्मनों के सिर काट दिए।
60. सिर न झुकना (हार न मानना) देशभक्तों ने अंग्रेज़ों के सामने सिर नहीं झुकाया।
61. सदावर्त (नित्य दिया जाने वाला दान) अशोक ने कहा कि उसकी करुणा का सदावर्त सबको मिलेगा।
62. साक्षात चंडी-सी दिखाई देना (निश्चित मृत्यु प्रदान करने वाली वीरांगना) युद्ध में लक्ष्मीबाई साक्षात चंडी-सी दिखाई देती थी।
63. मृत्यु की गोद में सो जाना (मर जाना) कल सुरेश के दादा जी मृत्यु की गोद में सो गए।
64. मुख पर चिंता की छाया होना (परेशान होना) बच्चे की बीमारी के कारण माँ के मुख पर चिंता की छाया दिखाई दे रही थी।
65. सिर से पैर तक दौड़ लगाना (खूब भागदौड़ करना) नौकरी पाने के लिए राम ने सिर से पैर तक दौड़ लगा दी।
66. जीवन यात्रा का अंत होना (मृत्यु होना) दो वर्ष बाद गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत हो गया।
67. आँसू टपकाना (रोना) माँ के डाँटते ही शीला की आँखों से आँसू टपकने गए।
68. मज़ाक बनाना (हँसी उड़ाना) हमें किसी की विकलांगता पर उसका मज़ाक नहीं बनाना चाहिए।

69. पीठ थपथपाना (शाबाशी देना) रमेश ने एक छोटे बच्चे को कुएँ में गिरने से बचाया तो सभी ने उसकी पीठ थपथपाई।

इन शब्दों के अर्थ लिखते हुए वाक्य में

प्रयोग करें:

1. घमंड (अहंकार) हमें घमंड नहीं करना चाहिए।
2. रक्तदान (खून दान) रक्तदान महादान है।
3. उद्घाटन (शुभारंभ) दादाजी ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया।
4. महान (श्रेष्ठ) भगत सिंह महान स्वतंत्रता सेनानी थे।
5. नामकरण (नाम देना) कल राम की बेटी का नामकरण था।
6. अचरज (हैरानी) जादू का खेल देखकर मैं अचरज में पड़ गया।
7. गर्व (मान) मुझे अपने देश पर गर्व है।
8. पश्चाताप (खेद) हार्दिक ने पश्चाताप के आँसू बहाए।
9. सम्मानित (सम्मान देना) हार्दिक के दादा जी को सम्मानित किया गया।
10. समक्ष (सामने) मेरे घर के समक्ष एक बाग है।
11. कालकूट (तेज़ ज़हर) मीरा ने हँसते-हँसते कालकूट पी लिया था।
12. सुधा (अमृत) राधा की आवाज में सुधा जैसा रस है।
13. फाग (होली) युद्ध में वीर रक्त से फाग खेलते हैं।
14. अशेष (सम्पूर्ण) देश की रक्षा के लिए हमें अपना अशेष रक्त बहा देना चाहिए।
15. राहगीर (मुसाफ़िर) राहगीर अपनी मंज़िल पर पहुँच गया।
16. नीङ़ (घोंसला) चिड़िया का नीङ़ बहुत सुंदर है।
17. मंज़िल (मुकाम) मेहनत करने वाले अपनी मंज़िल पर अवश्य पहुँचते हैं।
18. अभियान (आंदोलन) भारत में सफाई अभियान चल रहा है।
19. कृतार्थ (धन्य) हमें दूसरों की सेवा करके अपना जीवन कृतार्थ करना चाहिए।
20. निश्चेष्ट (बिना हिले जुले) गिल्लू निश्चेष्ट गमले में पड़ा था।
21. कार्यकलाप (क्रियाएँ) गिल्लू के कार्यकलाप पर सभी हैरान थे।
22. विस्मित (चौक़न्ना) जादू का खेल देखकर मैं विस्मित हो गया।
23. आश्वस्त (तसल्ली पाना) डॉक्टर ने रोगी को आश्वस्त किया कि वह अब बिल्कुल ठीक है।
24. स्निग्ध (चिकना) राम के घर पर लगा पत्थर बहुत ही स्निग्ध है।
25. मरणासन्न (मृत्यु के निकट) बीमारी के कारण राम मरणासन्न स्थिति में है।
26. पर्वतीय (पहाड़ी) धर्मशाला एक पर्वतीय स्थान है।
27. हस्तकला (हाथों से बनी वस्तुएँ) मेले मैं हस्तकला की वस्तुएँ देखने को मिली।
28. अनगिनत (जिन की गिनती न हो सके) आसमान में अनगिनत तारे होते हैं।
29. निर्वासित (एक स्थान से निकले गए) धर्मशाला ने निर्वासित तिब्बतियों को शरण दी।
30. शहादत (बलिदान देना) देश को आज़ाद करवाने के लिए अनेक वीरों ने अपनी शहादत दी।
31. घमसान (भयंकर) भारत और पाकिस्तान के बीच घमसान युद्ध हुआ।
32. उपहार (भेंट) मेरे जन्म दिन पर चाचा जी ने उपहार मैं घड़ी दी।
33. समदृष्टि (समान दृष्टि से देखना) भाई कन्हैया सभी के साथ समदृष्टि से व्यवहार करते थे।
34. उपकार (भला) भाई कन्हैया ने घायलों को पानी पिलाकर उन पर उपकार किया।
35. उपचार (इलाज) भाई कन्हैया घायलों का उपचार भी करने लगे।
36. दुःख हरना (कष्ट दूर करना) परमात्मा सबके दुःख हरता है।
37. जीवनदान देना (जान बचाना) भाई कन्हैया घायलों को पानी पिलाकर उन्हें जीवनदान देते थे।
38. जान बचाना (प्राणों की रक्षा करना) भाई कन्हैया ने युद्ध में घायलों को पानी पिलाकर उनकी जान बचा ली।

रचनात्मक लेखन प्रार्थना पत्र / पत्र:-

1. आपसे स्कूल की खिड़की का शीशा टूट गया है, इसलिए स्कूल की मुख्य अध्यापिका को क्षमा माँगते हुए पत्र लिखें।

सेवा में

मुख्य अध्यापिका जी,
सरकारी स्कूल,
..... शहर।

दिनांक

विषय: खिड़की का शीशा टूटने पर माफी माँगने हेतु पत्र।

श्री मत्ती जी,

निवेदन है कि कल हम स्कूल के प्रॉगण में क्रिकेट खेल रहे थे खेलते समय गलती से क्रिकेट की गेंद एक कक्षा की खिड़की के शीशे पर जा लगी। जिस वजह से उस कक्षा की खिड़की शीशा टूट गया। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि यह मैंने जानबूझकर नहीं किया बल्कि अनजाने में मुझसे यह गलती हो गई है।

इसके लिए मुझे क्षमा कीजिए। मैं आगे से खेलते समय सावधान रहूँगा।

धन्यवाद सहित।

आपका आजाकरी शिष्य,

.....

कक्षा: सातवीं

रोल नं०

2. बहन के विवाह पर अवकाश के लिए मुख्याध्यापिका को प्रार्थना पत्र लिखें।

सेवा में

मुख्याध्यापिका जी,
..... स्कूल,
..... शहर।

दिनांक

विषय:- बहन के विवाह पर अवकाश के लिए पत्र।

श्रीमती जी,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके स्कूल में सातवीं कक्षा की छात्रा हूँ। मेरी बड़ी बहन का विवाह को होना निश्चित हुआ है। जिस कारण घर में बहुत कार्य हैं। मैं विवाह के कार्यों में अपने माता-पिता की सहायता करनी चाहती हूँ। मुझे विवाह के सारे रीति-रिवाज देखने हैं। कृपा करके मुझे तीन दिन का अवकाश दिया जाए। मैं आपकी अति आभारी रहूँगी।

धन्यवाद।

आपकी आजाकरी शिष्या,

नाम

कक्षा

रोल नं

3. मित्र/सहेली को प्रथम आने पर बधाई पत्र।

परीक्षा भवन,

..... शहर

तिथि

प्रिय सहेली / मित्र,

आशा है कि तुम सकुशल होगे। कल जब मैं अखबार पढ़ रहा था तो तुम्हारी फोटो अखबार में देखी। मुझे यह जानकर बड़ी खुशी हुई कि हर बार की तरह इस बार भी तुम प्रथम आए हो। मैं तुम्हें तुम्हारी इस सफलता पर बहुत बहुत बधाई देता हूँ। यह तुम्हारी मेहनत का नतीजा है। तुमने अपने माता-पिता का नाम रोशन कर दिया। आशा है कि आगे भी ऐसे ही मेहनत करते रहोगे।

अंकल आंटी को मेरा प्रणाम।

तुम्हारा मित्र

नाम

4. गर्मियों की छुट्टियों में अपने घनिष्ठ मित्र को छुट्टियाँ एक साथ मनाने के लिए निमंत्रण पत्र लिखें।

परीक्षा भवन,

..... शहर

तिथि

प्रिय सखी,

आशा है तुम सकुशल होगी। मैं तुम्हें गर्मियों की छुट्टियाँ अपने साथ मनाने के लिए निमंत्रित कर रही हूँ। इस बार हम एक साथ स्कूल का काम करेंगे। एक साथ खेलेंगे। कुछ नया सीखेंगे। पापा हमें चिड़ियाघर दिखाने लेकर जाएँगे।

आशा है तुम ज़रूर आओगी।

तुम्हारी सखी,

नाम

5. अपने मित्र को लिखकर बताएँ कि

आपका नया स्कूल किन-किन बातों में अच्छा है।

परीक्षा भवन,

..... शहर।

तिथि

प्रिय मित्र सोहन ,

नमस्कार।

तुम्हें यह जानकर बहुत खुशी होगी कि मेरा नया स्कूल बहुत अच्छा है। मेरे नये स्कूल में 10 कमरे हैं। सभी कमरे बहुत बड़े, खुले और रंगदार हैं। सभी कमरों में प्रोजैक्टर लगे हुए हैं। पीने के पानी के लिए आर. ओ. लगा हुआ है। स्कूल का मैदान बहुत बड़ा व हरा-भरा है। यहाँ के सभी अध्यापक बहुत मेहनती और अच्छे स्वभाव के हैं। स्कूल के मुख्य अध्यापक के बारे में तो पूछो ही मत, बाकी सब मिलने पर।

अंकल-आंटी जी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र,

मोहन।

निबंध भाग

1. मेरी कक्षा का कमरा

मैं सरकारी मैं

सातवीं कक्षा का छात्र हूँ। मेरी कक्षा का कमरा बहुत सुंदर है। इसमें दो दरवाजे और चार खिड़कियाँ हैं। कमरे के अंदर बहुत अच्छा रंग किया गया है। कमरे की दीवारों पर हमारे द्वारा तैयार किए गए बहुत सुंदर चार्ट लगे हुए हैं।

कमरे में हमारे बैठने के लिए 16 बैंच लगे हुए हैं तथा अध्यापक के लिए कुर्सी और मेज भी लगे हुए हैं। ब्लैक बोर्ड के साथ ही एक कोने में एक अलमारी भी लगी हुई है। कमरे में एक लेक्चर स्टैंड भी है।

मेरी कक्षा के कमरे में एक प्रोजेक्टर लगा हुआ है जिस पर हमें सभी विषयों से संबंधित वीडियो दिखाए जाते हैं।

कक्षा के कमरे में एक नोटिस बोर्ड भी लगा है जिस पर सभी विषयों का पाठ्यक्रम, समय सारणी भी लगाई गई है। कक्षा में रोशनी और हवा का पूरा प्रबंध है। कमरे में एक कूड़ादान भी है। हम सभी अपने कमरे को हमेशा साफ-सुथरा रखते हैं। मुझे अपनी कक्षा का कमरा बहुत अच्छा लगता है।

2. वैशाखी

भारत देश त्योहारों और पर्वों का देश है। प्रत्येक मौसम के परिवर्तन पर कोई न कोई त्योहार अवश्य मनाया जाता है। वैशाखी का त्योहार इनमें से ही एक है। यह त्योहार कृषि त्योहार के रूप में मनाया जाता है। यह फसल पकने की खुशी में मनाया जाता है। यह पंजाब का मुख्य त्योहार है। यह 13 अप्रैल के दिन मनाया जाता है।

इस दिन लोग पवित्र सरोवर पर नहाने के लिए जाते हैं। किसानों में खुशी भर जाती है। वह अपने लहलहाते खेतों को देखकर भँगड़ा डालते हैं। खूब मिठाई बाँटी जाती है।

फसलां दी मुक गई राखी ।

ओ जट्टा आई वैशाखी ॥

सन् 1699 में वैशाखी वाले दिन ही दशम गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की नींव रखी थी। इसी दिन जनरल डायर ने जलियाँ वाले बाग में अनेक लोगों पर गोलियाँ चलाई थी। उनकी याद में भी यह दिन मनाया जाता है।

कई स्थानों पर मेले लगते हैं। लोग मेला देखने जाते हैं। झूले झूलते हैं। अमृतसर में वैशाखी का मेला देखने योग्य होता है।

3. मेरा प्रिय मित्र

मेरे बहुत मित्र हैं। परंतु राम मेरा प्रिय मित्र है। वह मेरी ही कक्षा में पढ़ता है। उसकी आयु 13 वर्ष है। उसके पिता जी दुकानदार हैं। उसकी माता जी अध्यापिका हैं।

वह रोज सुबह जल्दी उठता है। वह अपने पिताजी के साथ सैर करने जाता है। वह हर रोज नहाता है। वह मेरे साथ ही स्कूल जाता है। उसका घर मेरे घर के पास है। हम शाम को एक साथ पढ़ते हैं तथा खेलते हैं।

वह बहुत मेहनती लड़का है। वह पढ़ाई में बहुत होशियार है। वह कमज़ोर विद्यार्थियों की मदद करता है। वह सभी का आदर करता है। सभी उसे बहुत प्यार करते हैं। वह हर वर्ष कक्षा में प्रथम आता है।

वह पढ़ाई के साथ-साथ भाषण कला, चित्रकला तथा खेलों में भी बहुत अच्छा है। वह घर पर अपने माता-पिता का हाथ बँटाता है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि हमारी मित्रता ऐसे ही बनी रहे। मुझे मेरे मित्र पर गर्व है। भगवान उसकी आयु लंबी करे।

4. मेरा अध्यापक

विद्यार्थी जीवन को बनाने और सँवारने में एक अध्यापक की भूमिका सबसे बड़ी होती है। कक्षा सातवीं में मेरी सबसे प्रिय अध्यापिका हैं। वह हमें कक्षा में हिंदी पढ़ाती हैं। वह स्वभाव से विनम्र हैं। उनकी लिखाई बहुत सुंदर है। मैं हर साल शिक्षक दिवस तथा उनके जन्मदिन पर भी उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ। वह कक्षा में पढ़ाई के दौरान मनोरंजन के लिए कुछ चुटकुले, कहानियाँ और पहेलियाँ भी सुनाती रहती हैं। कक्षा लेने के बाद मैं, वह हमेशा कुछ प्रश्नों के उत्तर खोजने और याद करने के लिए देती हैं और उन्हें अगले दिन पूछती हैं।

वह पढ़ाते समय बिल्कुल शांति पसंद करती हैं। वह कमज़ोर विद्यार्थी की ओर विषय ध्यान देती हैं। वह हमें हमेशा प्रोत्साहित करती है। उनका स्वभाव बहुत ही प्यारा और कक्षा के सभी विद्यार्थियों का ध्यान रखने वाला है। मेरे सभी मित्र उन्हें पसंद करते हैं और उनकी कक्षा में नियमित रूप से उपस्थित रहते हैं।

वह मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ बहुत अच्छी लगती हैं और वह सभी की सहायता करती हैं। हम सभी उनका सम्मान बहुत करते हैं।

5. आँखों देखा मैच

हमारे स्कूल में चार सदन हैं। मैं रामानुज

सदन का सदस्य हूँ। गत शनिवार रामानुज सदन और भगत सिंह सदन में हाकी का मैच हुआ। दोनों सदनों के खिलाड़ी अपने-अपने सदन के रंगों व नाम वाली टी-शर्ट पहन कर मैदान में उतरे। सभी विद्यार्थियों ने तालियाँ बजा कर उनका स्वागत किया।

सीटी बजते ही खेल प्रारम्भ हो गया। सभी खिलाड़ी गोल करने के लिए गेंद के आस-पास भाग रहे थे। जिस भी टीम के पास गेंद जाती, वह विरोधी टीम के विरुद्ध गोल कर देती। मैच बड़ा ही रोमांचक हो गया था। सभी आनंद उठा रहे थे। विद्यार्थियों का उत्साह देखने योग्य था। अचानक मध्यांतर हो गया। खिलाड़ियों को रिफ्रेशमेंट दी गई। 15 मिन्ट के बाद खेल फिर शुरू हुआ। दोनों टीमों के खिलाड़ी उत्साह से खेल रहे थे। दस मिन्ट का समय रह गया था लेकिन हार-जीत का निर्णय नहीं हो रहा था। अचानक गेंद भगत सिंह सदन के हाथ लग गई और उन्होंने गोल कर दिया। इस प्रकार भगत सिंह सदन की टीम विजयी हुई। मैच देख कर सभी विद्यार्थी आनंदित थे और उसी की बातें कर रहे थे।

6. गुरु गोबिन्द सिंह जी

सिख धर्म के संस्थापक दसवें गुरु 'श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी' का जन्म 22 दिसंबर 1666 ई० में पटना में हुआ। गुरु जी 'दशम नानक' के नाम से भी जाने जाते हैं। इनके पिताजी गुरु तेग बहादुर जी और माता गुजरी जी थीं। 1676 ई० में मात्र नौ वर्ष की आयु में आपको दसवें गुरु के स्थान पर बिठाया गया। गुरु जी बचपन से ही निडर और बहादुर थे। उन्होंने अपने पिता जी को मुगलों के अत्याचारों के विरुद्ध बलिदान देने के लिए प्रेरित किया।

गुरु जी की शिक्षा और युद्ध कौशल की शिक्षा चक्क नानकी से पूरी हुई। आपने कई भाषाओं का अध्ययन किया। आपने 'खालसा पंथ' की नींव रख कर कायर हो रही जनता को वीरता का पाठ पढ़ाया। 1699 ई० में 'पाँच प्यारों' का चयन करके उन्हें 'सिंहों' की उपाधि दी। इनकी रचनाएँ 'दशम ग्रंथ' में संकलित हैं। आपने सभी गुरुओं की वाणी को संकलित किया और 'गुरु मान्यो ग्रंथ' कह कर एक सशक्त मार्ग रोशन किया।

धर्म की रक्षा के लिए अपने चारों पुत्रों का बलिदान दे कर सर्वस्व दानी बने। उनकी हत्या के प्रयास में दो पठानों ने उन्हें घायल कर दिया। उनका स्वास्थ्य बिगड़ता गया और वे 1708 ई० में ज्योति जोत समा गए। गुरु जी 'संत सिपाही' के नाम से भी जाने जाते हैं। वे स्वयं भी जानी थे और जानियों के संरक्षक भी थे। धर्म हमेशा उनका ऋणी रहेगा।

7. दीपावली

दीपावली का अर्थ है- दीपों की अवली अर्थात पंक्ति। कार्तिक मास की अमावस्या की रात को दीए जला कर रोशन किया जाता है। यह पर्व दशहरे से बीस दिन बाद आता है। पौराणिक कथा के अनुसार श्री राम चंद्र जी रावण को मार कर अपनी पत्नी सीता व अनुज लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे। उनके आगमन की खुशी में लोगों ने धी के दिए जलाए थे।

दीपावली से कुछ दिन पूर्व लोग अपने घरों की सफाई करते हैं, जिससे कीटाणुओं का नाश हो जाता है। सर्द ऋतु का आगमन होता है। गेहूँ की फसल बीजी जा चुकी होती है। भारत के पर्व व मेले उसकी फसलों से जुड़े हुए हैं।

बाजार खूब सजे होते हैं। लोग नए वस्त्र व घर का सामान खरीदते हैं। रात होने पर सभी अपने घर की मुँड़ेरों को दीयों से जगमगाते हैं। आतिशबाज़ी छोड़ते हैं। लक्ष्मी-गणेश की पूजा करते हैं। दुकानदार नए बही-खाते लगाते हैं।

पंजाब में यह पर्व बंदी-छोड़ दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुरु हरगोबिन्द जी ने गवालियर के किले से 52 राजाओं को मुक्त करवाया था। स्वर्ण मंदिर पर की गई रौशनी देखने योग्य होती है।

कहानी भाग

1. दो बिल्लियाँ और बन्दर

जंगल में दो बिल्लियाँ रहतीं थीं। एक दिन उन्हें एक रोटी मिली। वे आपस में बाँट कर खाना

चाहती थीं। लेकिन उन दोनों को एक-दूसरे पर विश्वास नहीं था। उनका झगड़ा बढ़ गया। जानवर इकट्ठे होने लगे। एक बन्दर भी वहाँ पहुँच गया। रोटी देख कर उसे लालच आ गया। उसने बिल्लियों से कहा कि मैं तुम्हारा निर्णय कर देता हूँ। बन्दर ने रोटी को दो टुकड़ों में बाँट दिया। एक बड़ा टुकड़ा था और दूसरा छोटा टुकड़ा था।

बन्दर ने चालाकी की। बड़े टुकड़े में से थोड़ी सी रोटी तोड़ कर खा गया। इस प्रकार बड़े वाला टुकड़ा छोटा हो गया। बन्दर जो भी टुकड़ा बड़ा हो जाता, उसमें से रोटी तोड़ कर खा जाता। बिल्लियाँ उसका मुँह देखती रहीं। रोटी कम होते देख कर बिल्लियाँ ने कहा 'हमारी रोटी वापिस कर दो', लेकिन बन्दर ने कहा कि यह तो मेरी मजदूरी है, और बाकी बची रोटी भी खा गया। बिल्लियाँ मुँह ताकती रह गईं। बन्दर ने दोनों को मूर्ख बना कर उनकी रोटी छीन ली। यदि वे दोनों एक दूसरे पर विश्वास करतीं तो उन्हें कोई भी मूर्ख नहीं बना सकता था।

शिक्षा- आपस में लड़ना बुरी बात है, इसका फायदा दूसरे उठा ले जाते हैं।

2. खरगोश और कछुआ

एक जंगल में बहुत सारे जानवर रहते थे। वे आपस में खेलते और प्रेम से रहते थे। एक दिन खरगोश ने कछुए की चाल का मज़ाक उड़ाया। खरगोश ने उसे दौड़ लगाने की चुनौती भी दी। कछुआ खरगोश के घमंड को जान गया था। उसने चुनौती स्वीकार कर ली। दौड़ का समय और जगह भी निर्धारित हो गई।

सुबह होते ही सारे जानवर निश्चित स्थान पर इकट्ठे हो गए। हाथी ने सीटी बजाकर दौड़ को शुरू करवाया। खरगोश छलांगे मारता हुआ आगे निकल गया। जब उसने पीछे मुड़ कर देखा तो कछुआ कहीं दिखाई न दिया। वह एक पेड़ के नीचे सुस्ताने बैठ गया और उसे नींद आ गई।

कछुआ धीरे-धीरे चलता रहा। वह सूर्योस्त से पहले अपने निर्धारित स्थान पर पहुँच गया। उधर जब खरगोश की नींद खुली तो सूर्योस्त होते देख कर घबरा गया और अपने लक्ष्य की ओर भागने लगा। जब वह वहाँ पहुँचा तो कछुआ वहाँ पहले से ही मौजूद था। खरगोश बहुत शर्मिदा हुआ। उसने कछुए से माफी मांगी और आगे से किसी का भी मज़ाक न उड़ाने की कसम खाई।

शिक्षा- घमंडी का सिर नीचा। अभिमान मनुष्य को छोटा बना देता है।

3. हाथी और दर्जी

एक दर्जी था। वह बहुत ही दयालु स्वभाव का था। वह जानवरों से बहुत प्रेम करता था। उसके दयालु व प्रेम करने के स्वभाव के कारण उसकी मित्रता एक हाथी से हो गई। हाथी रोज़ उसके पास आता और वह उसे कुछ न कुछ खाने को देता। हाथी भी उसे कभी-कभी अपनी पीठ पर बैठा कर घुमाने ले जाता।

एक बार दर्जी को कहीं बाहर जाना पड़ा तो उसने अपने पुत्र को दुकान पर बैठा कर सब कुछ समझा दिया। प्रतिदिन की तरह हाथी जब दुकान पर आया तो उसके शरारती बेटे ने हाथी की सूँड में सुई चुभो दी। हाथी को बहुत दर्द हुआ। वह चिंघाइता हुआ तालाब की ओर भागा।

हाथी ने वहाँ पर पानी पिया और अपनी सूँड में तालाब के किनारे वाला कीचड़ भर लिया। वापिस आते समय हाथी ने सारा कीचड़ दर्जी की दुकान में फेंक दिया। दुकान में पड़े सारे कपड़े गंदे हो गए। दर्जी का बेटा बहुत पछताया। पिता के लौटने पर उसने सारी बात बताई और आगे से ऐसा न करने की कसम खाई।

शिक्षा- जैसे को तैसा। जैसी करनी वैसी भरनी।

4. दो मित्र और रीछ

एक बार की बात है दो मित्र जंगल में से जा रहे थे। वे डर रहे थे, क्योंकि अंधेरा हो गया था। अपने डर को दूर करने के लिए वे बातें करने लगे। अचानक उन्हें किसी जानवर के गुराने की आवाज़ सुनाई दी। इधर-उधर देखने पर उन्हें एक भालू दिखाई दिया। एक मित्र डर कर पेड़ पर चढ़ गया। दूसरे को पेड़ पर चढ़ना नहीं आता था। उसने सुन रखा था कि रीछ मरे हुए व्यक्ति को कुछ नहीं कहता। यह सोच कर वह साँस रोक कर धरती पर लेट गया। रीछ उसके पास आया। उसने उसे कान, नाक और मुँह के पास सूँघा और मरा हुआ समझ कर चला गया। रीछ के चले जाने पर पहला मित्र पेड़ से उत्तर कर नीचे आया और उसने पूछा, "रीछ तुम्हारे कान में क्या कह रहा था?" दूसरे मित्र ने उत्तर दिया "रीछ कह रहा था कि जो मुसीबत में साथ न दे, वह सच्चा मित्र नहीं होता।" पहले मित्र को बात समझ आ गई। उसने अपने मित्र से क्षमा माँगी।

शिक्षा- स्वार्थी मित्रों से बचो।

मित्र वही जो मुसीबत में साथ दे।

5. शेर और चुहिया

एक जंगल में एक शेर रहता था। एक दिन

वह दोपहर को एक पेड़ के नीचे आराम कर रहा था।

अचानक एक चुहिया उसके ऊपर आकर नाचने लगी। जिससे शेर की नींद खुल गई। उसने चुहिया को हाथ में पकड़कर कहा "तेरी यह हिम्मत! मैं अभी तुझे खा जाता हूँ।" चुहिया डर के बोली "शेर, जी माफ करना, गलती हो गयी, अगर आप मुझे जाने दें, मैं एक न एक दिन आपके काम ज़रूर आँँगी।" उस पर शेर बोला "तुम इतनी छोटी हो, तुम मेरे क्या काम आओगी?" शेर ने चुहिया को यह कह कर छोड़ दिया।

कुछ दिनों बाद, एक दिन चुहिया ने दूर से शेर की जोर-जोर से दुःख भरी दहाड़ सुनी। वह भाग कर शेर के पास पहुँची, और उसने देखा कि शेर एक शिकारी के जाल में फँसा हुआ है। फिर चुहिया ने झटपट अपने तीखे दाँतों से पूरे जाल के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। इस तरह शेर जाल से आ़जाद हो गया।

शेर ने चुहिया को धन्यवाद किया। फिर वह दोनों शिकारी के आने से पहले वहाँ से चले गए।

शिक्षा- कभी श्री किसी की छोटा मत समझो।

मार्गदर्शक

- डॉ. राजन एस.आर.पी. हिंदी पंजाब

तैयार कर्ता:

- अनवर हुसैन, हिंदी अध्यापक, स.मि. स्कूल, चणों, फतेहगढ़ साहिब
- दीपक कुमार, हिंदी अध्यापक, स.मि. स्कूल शेरगढ़, बठिंडा